सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 12

संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बरकरार - 12

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत फलीपींस सहमत - 13

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गौतम गंभीर- 14

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.35 सूर्यास्त 07.00

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 5, अंक 166, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

अंदर देखें ... रंगोली

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा नदी में आई बाढ़, 50 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

- धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे, 8-10 सैनिक लापता

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार अतिवृष्टि के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीरगंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान, होटल, होमस्टे आदि तबाह होने से हाहाकार मचा है। 50-60 लोगों के लापता होने की खबर है जबकि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे और 8-10 सैनिक लापता बताए गए हैं। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। एसडीआरएफ अभी तक 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीरगंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को बहा ले गया। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं। एम्स ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गहरा दु :ख जताया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावितों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

25-35 के मलबे में दबे होने का अंदेशा

आपदा के बाद उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने घटनास्थल के सामने स्थित मुखानी गांव के लोगों द्वारा बनाए गए विभिन्न वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। 25-30 होटल, दुकानें मलबे में बहने की आशंका है। हर्षिल में शाम करीब चार बजे आर्मी कैम्प में अचानक मलबा आने के कारण कैम्प के एक हिस्से और हर्षिल हेलीपैड में भारी नुकसान हुआ है। कैम्प में रुके 8-10 जवान लापता हैं जबकि 100 से अधिक जवान धरासू में रेस्क्यू में जुटे हैं। आयुक्त गढ़वाल मंडल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि हर्षिल की घटना के बाद सुक्खी टॉप में भी बादल फटने की खबर है।

दौरा बीच में छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए। उन्होंने सीधे देहरादून स्थित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहुंचकर आपदा की तात्कालिक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

हाई अलर्ट: राज्य के नौ जिलों में आज स्कूल बंद

देहरादून। उत्तराखंड में भारी वर्षा का क्रम मंगलवार को भी जारी रहा। तबाही की इस बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं तो कई जिलों में सामान्य जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। वहीं, मौसम विभाग के ऑरेन्ज अलर्ट को देखते हुए नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, चम्पावत, हरिद्वार, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग जिलों में कक्षा 12 तक के शैक्षणिक संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्र बुधवार को भी बंद रहेंगे। उधर, हरिद्वार में भारी बारिश से हर की पौड़ी के पास भीमगोडा रोड पर पहाड़ी से भूस्खलन होने से भारी मात्रा में मलबा आने से हर की पौड़ी मार्ग बाधित हो गया। प्रदेश में पांच राष्ट्रीय राजमार्ग और सात राज्य राजमार्गों सहित करीब 163 सड़कें भूस्खलन के कारण बाधित चल रही हैं। वहीं, उत्तरकाशी जिले में स्याणाचट्टी के पास ऋषिकेश-यमुनोत्री राजमार्ग का 25 मीटर हिस्सा भूधंसाव के कारण बाधित है जबकि नैनीताल-हल्द्वानी एनएच बल्दियाखान के पास मलबे से अवरूद्ध है। बैजनाथ-खरसाली एनएच बागेश्वर जिले में रामगंगा पुल के समीप मलबा आने से बाधित है। राज्य में 10 अगस्त तक भारी बारिश का अनुमान है।

हल्द्वानी में लापता बच्चे की नृशंस हत्या

- मूल रूप से बरेली निवासी बच्चे का सिर और हाथ काटा
- सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध हिरासत में, पूछताछ जारी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : काठगोदाम थाना क्षेत्र से सोमवार को लापता हुए 10 वर्षीय अमित मौर्या की नृशंसता से हत्या कर दी गई। हत्यारे ने बच्चे का सिर और हाथ काटकर शव को आम के पेड़ के नीचे दफना दिया था। मंगलवार को पुलिस ने बच्चे का शव बरामद किया, लेकिन सिर और हाथ नहीं मिले। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए एक संदिग्ध को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मूलरूप से आमोर गांव, थाना मीरगंज, बरेली (उत्तर प्रदेश) निवासी खूबकरन मौर्या काठगोदाम थाना क्षेत्र स्थित गौलापार के पश्चिम खेड़ा इलाके में रहकर जमींदार के खेत पर बंटाईदार का काम करता है। परिवार में पत्नी और बेटी के अलावा उनका 10 साल का बेटा अमित मौर्या भी था। खूबकरन के मुताबिक, अमित सोमवार दोपहर करीब 12:30 घर से कोल्ड ड्रिंक लेने निकला था लेकिन लौटा नहीं। खूबकरन ने घर से सौ मीटर दूर रहने वाले एक नशेड़ी युवक पर बेटे को अगवा करने का शक जाहिर किया। मंगलवार को पुलिस आरोपी के घर के पास पहुंची। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बच्चा आरोपी के साथ नजर आया। फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड भी बुला लिया गया। खोजबीन में पुलिस आरोपी के घर के पीछे स्थित आम के पेड़ के पास पहुंची। यहां जमीन खोदी नजर आई। खोदाई शुरू की गई तो गड्ढे से कट्टे में बंद अमित की लाश मिली, लेकिन सिर और हाथ गायब था। काफी तलाश के बाद भी सिर और हाथ नहीं मिला।

आरोपी के घर से पुलिस ने खून से सने कपड़े बरामद किए हैं, जिसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा का कहना है कि सोमवार को गुमशुदगी दर्ज करने के साथ बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस जांच कर रही है, जल्द मामले का पर्दाफाश होगा।

विदेशी सामान खरीद से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है।

उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं।

ब्रह्मोस से बराक-1 तक, भारत की वॉर शील्ड बनेगी मजबूत

- रक्षा खरीद परिषद ने 67000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन और मिसाइल प्रणालियों की खरीद समेत प्रमुख सैन्य परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिनपर लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने इन परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनका लक्ष्य भारत की सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डीएसी ने लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नौसेना के लिए 'कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट', 'ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम' और 'लांचर' की खरीद और 'बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम' के उन्नयन को मंजूरी दी गई। इसने कहा कि 'कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट' की खरीद से भारतीय नौसेना को पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों में खतरों का पता लगाने, उनका वर्गीकरण करने और उन्हें बेअसर करने की क्षमता मिलेगी। इसने कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए, पर्वतीय रडार की खरीद और सक्षम/स्पाइडर हथियार प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी गई।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पर्वतीय रडार की खरीद से पर्वतीय क्षेत्र में सीमाओं पर नजर रखने के साथ-साथ हवाई निगरानी क्षमता में वृद्धि होगी। इसने कहा कि एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकरण के लिए सक्षम/स्पाइडर प्रणाली के उन्नयन से वायु रक्षा क्षमता में वृद्धि होगी। मंत्रालय ने कहा कि तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई पर लंबी दूरी के (मेल) 'रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए)' की खरीद के लिए 'आवश्यकता की स्वीकृति' या प्रारंभिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। प्रस्तावित 'मेल आरपीए' कई सामग्री और हथियार ले जा सकते हैं तथा लंबी दूरी के मिशनों के लिए लंबी दूरी पर काम कर सकते हैं। त्रालय ने एक बयान में कहा कि इससे सशस्त्र बलों की चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

नाइट साइट से लैस होंगे लड़ाकू वाहन

इसके अलावा, डीएसी ने सी-17 और सी-130जे बेड़े के रखरखाव के लिए प्रारंभिक स्वीकृति और एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध को भी मंजूरी दी है। भारतीय सेना के लिए, बीएमपी इंफैंट्री (पैदल सेना) लड़ाकू वाहनों के लिए 'थर्मल इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट (बहुत कम रोशनी में देखने में मददगार यंत्र)' की खरीद के लिए प्रारंभिक स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी की रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमता बढ़ेगी और मशीनीकृत इंफैंट्री को अधिक गतिशीलता और परिचालन लाभ मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

- उनके कार्यकाल में आज ही के दिन हटा था अनुच्छेद-370
- प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त की दिवंगत के प्रति शोक संवेदना

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में निधन हो गया।

उनके स्टाफ ने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। आरएमएल अधिकारियों ने बताया कि मलिक मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, उन्होंने केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने मलिक के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।

बैंक फ्राड मामले में अनिल अंबानी से ईडी की पूछताछ

- दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय में हुए पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी अपने समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामलों से जुड़े धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि निदेशालय 66 वर्षीय व्यवसायी का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ एक 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है। साथ ही, इस जांच के तहत उनके समूह के कुछ अधिकारियों को भी इस सप्ताह पूछताछ के लिए तलब किया गया है। इसी से जुड़े एक मामले में, ईडी ने हाल में ओडिशा की एक कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) पार्थ सारथी बिस्वाल को अनिल अंबानी समूह की एक कंपनी के लिए 68 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है।

न्यायालय ने सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी।

बौखलाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले-24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

हमारे लिए एक-एक जिंदगी बेहद कीमती : सीएम धामी

आंध्र का दौरा बीच में छोड़कर देहरादून पहुंचे मुख्यमंत्री, संभाला मोर्चा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: अपना आंध्र प्रदेश दौरा बीच में ही तत्काल निरस्त कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार शाम सीधे देहरादून में आपदा परिचालन केंद्र पहुंचकर उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की घटना से प्रभावित क्षेत्र में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के लिए एक-एक व्यक्ति की जान अमूल्य है।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी उत्तरकाशी सहित सम्बंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित टीमों को प्रभावी समन्वय के साथ राहत कार्यों को तत्परता सम्पादित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संबंधित सभी वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया तथा स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग तथा जिलाधिकारी को प्रभावित क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी शैक्षणिक तथा अन्य संस्थान बंद करने के निर्देश दिए। प्रभावित लोगों से संपर्क बनाए रखने के लिए जल्द से जल्द नेटवर्क व्यवस्था बहाल करने के निर्देश दिए। धराली एवं हर्षिल क्षेत्र में आपदा प्रभावितों तत्काल रेस्क्यू के बाद होटल, होमस्टे आदि में रहने, खाने तथा दवाइयां की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से हर्षिल क्षेत्र में बन रही झील को जल्द से जल्द खुलवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

अभियान में 130 से अधिक लोग किए रेस्क्यू

एसडीआरएफ आइटीबीपी तथा अन्य राहत एजेंसियों ने मिलकर 130 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। सीएम ने संचार व्यवस्था को भी मंगलवार रात्रि ही बहाल करने के साथ निर्देश दिए कि पीडब्ल्यूडी/जल संस्थान/ऊर्जा आदि विभाग के अधिकारी वहीं डटे रहें| डॉक्टर्स और दवाई की व्यवस्था की जाए। पोस्टमार्टम आदि की व्यवस्था वहीं मौके पर की जाए।

जल समाधि : उत्तरकाशी के धराली में खीर गाड़ क्षेत्र में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद पूरा क्षेत्र देखते ही देखते मलबे और पानी में समा गया।

आपदा परिचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक कर धराली आपदा का अपडेट लेते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

इन अधिकारियों को किया तैनात

मुख्यमंत्री ने उत्तरकाशी में जिलाधिकारी के रूप में सेवा दे चुके अपर सचिव डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, अभिषेक रोहिल्ला तथा गौरव कुमार को नोडल अधिकारी नामित करने, अपर सचिव विनीत कुमार को नोडल अधिकारी की तत्काल तैनाती करते हुए उत्तरकाशी में ही कैंप करने के, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे को शासन स्तर से धराली आपदा हेतु नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। साथ ही, यूपीसीएल के एमडी से बात कर मंगलवार रात को ही बिजली आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए।

नेताला से रवाना डीएम, एसपी

नेताला में अवरुद्ध मार्ग मंगलवार रात करीब आठ बजे खोल दिया गया। मार्ग खुलते ही यहां फंसे जिलाधिकारी उत्तरकाशी और एसपी के साथ ही अन्य राहत और बचाव दल मौके के लिए रवाना हो गए हैं। खाद्य विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की एक टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना की जा रही है। बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, डीजीपी दीपम सेठ, सचिव शैलेश बगौली, पंकज पांडे, कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पांडे सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिसने परिवार खोया, सरकार उसके साथ

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अगर किसी ने अपना परिवार खोया है तो सरकार उसके साथ खड़ी है। सरकार ऐसे सभी लोगों की संरक्षक है और उनके जीवन यापन का पूरा जिम्मा सरकार का है। सीएम ने प्रभावितों को एयरलिफ्ट करवाने तथा तत्काल भोजन, दवाइयां तथा कपड़े आदि भेजने के लिए वायु सेना के एमआई 17 का सहयोग लेने के निर्देश दिए। कहा कि, जो लोग बेघर हो गए हैं उनके रहने के लिए अच्छी वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। यदि होटल आदि अधिग्रहित करना पड़े तो उसको तुरंत कर लिया जाए। कहा कि आपदा से प्रभावित लोगों को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। तत्काल आसपास के क्षेत्र में स्थित होटल तथा स्कूलों में राहत शिविरों की व्यवस्था करें। लोगों के लिए खाने-पीने की समुचित व्यवस्था करें। बिस्तर, कंबल तथा कपड़ों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। खाने के पैकेट एयरड्राप किए जाएं।

अचानक आई तबाही, छोड़े खौफनाक निशान

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराकाशी जिले की तहसील भटवाड़ी के धराली बाजार में तबाही ही तबाही के साथ आर्मी कैंप हर्षिल और सुक्खी टॉप में भी जलसैलाब प्रलय के खौफनाक निशान छोड़ गया।

मंगलवार दोपहर करीब 1:50 बजे खीर गाढ़ में अतिवृष्टि के बाद नदी ने भारी जल सैलाब और मलबे के साथ ऐसा तांडव मचाया कि पर्वतीय अंचल में बसा खूबसूरत धराली क्षेत्र और उसका बाजार देखते ही देखते जल समाधि ले गया। इस प्राकृतिक आपदा का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर तेजी से वायरल हो गया। ऊपर से आ रहा जलसैलाब इतनी तीव्र गति से आ रहा था कि लोगों को बचाव का मौका तक नहीं मिला और सैलाब जान बचाते लोगों के साथ मकान, दुकान, होटल, पेड़ जो भी बीच में आया उसे अपने आगोश में लेते हुए गुजर गया। इस भयावह मंजर को होता देख रहे सुरक्षित स्थान पर मौजूद लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। तबाही का तांडव यही नहीं रुका और उसके करीब एक से डेढ़ घंटे के अंतराल में हर्षिल और गंगनानी के बीच सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी एक के बाद एक बादल फटे।

बादल फटने के बाद जल प्रलय आया और कई मकानों तक पहुंच गया, अचानक बाढ़ के कारण आंशिक रूप से जलमग्न हुए घर।

किसी भी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर

जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर।

01374222722 7310913129 7500737269

टोल फ्री -1077, ईआरएसएस टोल फ्री -112

2- राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर

01352710334, 2710335, 8218867005, 9058441404, टोल फ्री-1070

धराली में युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य

देहरादून: धराली बाजार क्षेत्र में आयी तबाही से निपटने को त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, सेना तथा स्थानीय प्रशासन/पुलिस व अन्य बचाव दलों द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। खोज, बचाव एवं राहत कार्यों में सहायता के लिए एसडीआरएफ/एनडीआरएफ/आर्मी/आईटीबीपी/पुलिस के अतिरिक्त बलों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से घटनास्थल 80 किलोमीटर दूर है। निकटतम चिकित्सालय 5 किमी, जिला चिकित्सालय 88 किमी तथा एम्स देहरादून 246 किमी दूर है। इस बीच वायु सहायता के लिए एयरफोर्स से भी सम्पर्क किया गया। निकटवर्ती राजकीय चिकित्सालयों व एम्स, देहरादून में भी बेड आरक्षित कर दिए गए। पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस को क्रियाशील किया गया।

बादल फटने के लिए अनुकूल हैं धराली क्षेत्र की पहाड़ियां

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ऊंचे खड़े पहाड़ों से घिरा उत्तरकाशी का धराली क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति बादल फटने के लिए अनुकूल है जिसके चलते मंगलवार को धराली में बादल फटने की घटना घटित हुई। भविष्य में भी बादल फटने की घटनाओं की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के असर के चलते बादल फटने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। बादल फटने के लिहाज से धराली की पहाड़ियां बेहद माकूल है। ऊंचे पहाड़ों के बीच फंसी हवा बाहर यानी दूसरी ओर निकल नहीं पाती है तो बादलों में नमी बढ़ती ही चली जाती है और अंत में नमी से भरा बादल फट जाता है और अतिवृष्टि के साथ जलसैलाब आ जाता है। धराली में बादल फटने की स्थितियां इसी तरह की रहीं। जिस कारण यह घटना घटित हुई। वैज्ञानिक डॉ. सिंह ने बताया कि बादल फटने को लेकर भौगोलिक बनावट निर्भर करती है। पर्वतीय राज्यों में ऐसे अनेकों पहाड़ हैं, जो बादल फटने की घटनाओं के लिए अनुकूल होते हैं। करीब डेढ़ दशक से बादल फटने की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हुई हैं। बादलों को फटने से रोकने को कोई वैज्ञानिक उपाय अभी तक नहीं खोजा जा सका है, लेकिन बचाव के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। पहाड़ों में घर बनाने से पहले, पर्यावरण जैसी परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। भौगोलिक स्थितियों को समझना होगा और बादल फटने जैसे इलाकों से दूर रहना होगा।

भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के बाद बचाव अभियान चल रहा है।

कई कारण होते हैं बादल फटने के

नैनीताल : वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार, बादल फटने में भौगोलिक स्थिति एक कारण होती है, जबकि कई अन्य कारण भी होते हैं, जो जल का सैलाब बन जाते हैं। बंगाल और अरब सागर से आने वालीं गर्म हवाएं नमी भी साथ लाती हैं और हिमालय से टकराने से स्थलीय ऊर्ध्वगामी प्रवाह द्वारा संघनन प्रक्रिया तेज होती है। इस प्रक्रिया में बादलों के पानी की बूंदों में अचानक वृद्धि हो जाती है। बादल फटने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जो सैलाब बनकर ढलान में आने वाली मिट्टी को साथ बहा ले जाती है। बादल फटने का एक बड़ा कारण आद्रता वाला मानसून का बादल है, जो बादल फटने में बेहद सहायक रहा है। हिमालय की भौगोलिक बनावट भी बादलों के फटने के लिए माकूल रही हैं जिनमें एक-दूसरे से सटे खड़े पहाड़ अधिक प्रभावशाली होते हैं। अचानक वर्षा की ऊर्ध्वगामी गतिशीलता में मिश्रण भी बादल फटने का कारण बन जाती है।

आपदा से राहत को 20 करोड़ जारी, विशेषज्ञ टीमें रवाना

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तरकाशी में आई आपदा से राहत एवं बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन निधि से 20 करोड़ रुपये जारी किए गये हैं।धराली में बादल फटने से उत्पन्न भीषण आपदा के बाद राज्य सरकार पूरी तरह से सक्रिय हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित चिकित्सकीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री स्वयं राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं और वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार संपर्क में हैं, ताकि समय पर पीड़ितों तक सहायता पहुंच सके।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने आपदा की गंभीरता को देखते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम तत्काल धराली क्षेत्र के लिए रवाना करने के निर्देश दिए। इस टीम में सर्जन, निश्चेतक, फिजीशियन और आर्थोपेडिक सर्जन शामिल हैं। टीम का संचालन गढ़वाल मंडल के निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को सौंपा गया है, जिन्हें इस आपदा में नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

स्वास्थ्य सचिव ने आपदा प्रबंधन के तहत राज्य के सभी प्रमुख चिकित्सालयों को निर्देश दिए गए हैं कि गंभीर रूप से घायल मरीजों के इलाज के लिए बेड आरक्षित रखें। साथ ही, सभी चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है, जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। यह सुनिश्चित किया गया है कि अस्पतालों में दवाओं, सर्जिकल सामग्री और चिकित्सा उपकरणों की कोई कमी न रहे। 108 एंबुलेंस सेवा हाई अलर्ट पर रखी गई है तो उत्तरकाशी जिले में जिला स्तरीय आपात नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गयार है। स्वास्थ्य सचिव ने स्पष्ट किया कि यह एक अत्यंत संवेदनशील और मानवीय आपदा है, जिसमें हर अधिकारी और कर्मचारी से संवेदनशीलता और तत्परता अपेक्षित है।

पुलिस और फायर सर्विस के जवानों द्वारा चलाया गया रेस्क्यू अभियान।

खौफनाक निशान | पानी और मलबे का विनाशकारी सैलाब कुछ क्षणों में ही बड़े-बड़े होटलों और मकानों को अपने साथ बहा ले गया

केदारनाथ, ऋषिगंगा आपदा की भयावह यादें हुईं ताजा

संवाददाता, उत्तरकाशी

अमृत विचार: उत्तरकाशी जिले के धराली में मंगलवार दोपहर बादल फटने से मची भीषण तबाही ने साल 2013 की केदारनाथ और साल 2021 की ऋषिगंगा आपदा की भयावह यादें ताजा कर दीं।

केदारनाथ और ऋषिगंगा में आई बाढ़ की तरह ही धराली की खीरगंगा नदी में आया पानी और मलबे का विनाशकारी सैलाब कुछ क्षणों में ही बड़े-बड़े होटलों और मकानों को अपने साथ बहा ले गया और गंगोत्री धाम के रास्ते में स्थित खूबसूरत क्षेत्र पलक झपकते ही मलबे के ढेर के नीचे दब गया।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो में पानी की ऊंची लहरें उठती दिखाई दे रही हैं जिनकी चपेट में आकर मकान, होटल और अन्य इमारतें ढहती हुई दिख रही हैं। एक अन्य वीडियो में कुछ लोग तेजी से आ रहे पानी के बहाव से अपनी जान बचाने का प्रयास करते हुए दिख रहे हैं, लेकिन पानी की लहरें उन्हें अपनी चपेट में ले लेती हैं।

"सब कुछ खत्म हो गया"

धराली के पास स्थित प्रसिद्ध मुखबा गांव के लोग भी इस हृदयविदारक दृश्य को देखकर दहल गए। मुखबा गांव के रहने वाले एक प्रत्यक्षदर्शी सुभाष चंद्र सेमवाल (60) ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा भयावह दृश्य कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि दोपहर बाद जब वह आराम करने जा रहे थे कि तभी उन्हें तीव्र गति से पानी और पत्थरों के बहने की आवाज सुनाई दी, जिसे सुनकर वह और उनके परिवार के अन्य सदस्य बाहर निकल आए। सेमवाल ने कहा, जब हमने खीरगंगा में भारी मात्रा में पानी बहकर नीचे की ओर आते देखा तो हम सब पहले तो घबरा गए, फिर हमने धराली बाजार में रहने वाले लोगों को सतर्क करने के लिए सीटियां बजायीं और चिल्ला-चिल्ला कर उन्हें वहां से भागने को कहा। सेमवाल ने कहा कि उन लोगों की आवाज सुनकर कई लोग होटल से निकलकर भागे भी लेकिन बाढ़ का वेग इतना तेज था कि देखते ही देखते वे सब उसमें समा गए और सब कुछ वहीं दफन हो गया। एक अन्य वीडियो में लोग अपने रिश्तेदारों का कुशलक्षेम जानने के लिए उन्हें फोन करते दिख रहे हैं। वीडियो में एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना गया, ''सब कुछ खत्म हो गया''।

सबसे पहले सेना पहुंची मौके पर

आपदा की सूचना मिलते ही मौके पर सबसे पहले सेना पहुंची और तुरंत राहत व बचाव कार्यों में जुट गयी। जानकारी के अनुसार, सेना का हर्षिल कैंप घटनास्थल से केवल चार किलोमीटर दूर है और इस कारण सेना के करीब 150 जवान केवल 10 मिनट में ही वहां पहुंच गए और 20 लोगों को बचा लिया। कई जगह सेना के जवानों ने रस्सी के सहारे लोगों को खींचकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सेना द्वारा सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो में हर जगह मलबा दिखाई दे रहा है। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि लोगों को आपदाग्रस्त धराली से फिलहाल दूर रहने को कहा गया है। एसडीआरएफ के सूत्रों ने बताया कि उनकी 50 जवानों की विशेषज्ञ टीम भी अपने आवश्यक उपकरणों जैसे 'विक्टिम लोकेटिंग कैमरा', 'थर्मल इमेजिंग कैमरा', 'कटिंग टूल्स', 'रोटरी हैमर' के साथ राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई है। अधिकारियों के अनुसार, धराली के अलावा, हर्षिल में सेना के कैंप के पास एक और बादल फटने की घटना हुई है। हालांकि, उसमें हुए नुकसान के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है।

सिपाही से आईपीएस तक मदद में जुटे

देहरादून: डीजीपी दीपम सेठ ने बताया कि धराली क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों के प्रभावी संचालन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं विशेष पुलिस बलों की तत्काल तैनाती की गई है। आईपीएस अधिकारियों में आईजी एसडीआरएफ अरुण मोहन जोशी, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, प्रदीप राय, अमित श्रीवास्तव (प्रथम) एवं सुरजीत सिंह पंवार, श्वेता चौबे, एक डिप्टी कमांडेंट तथा 11 डिप्टी एसपी को तत्काल उत्तरकाशी भेजा गया है, जो राहत एवं समन्वय कार्यों का नेतृत्व करेंगे।

सेनानायक आईआरबी द्वितीय श्वेता चौबे के नेतृत्व में 40वीं वाहिनी पीएसी के विशेष आपदा राहत दल (ई कंपनी) तथा आईआरबी द्वितीय, देहरादून की सी कंपनी को भी उत्तरकाशी रवाना किया गया है।

हत्यारोपी के आंगन में सिर पटक कर इंसाफ मांगती रही मां

अमित हत्याकांड: बेटे के गम में विलाप करती मां को देखकर हर किसी की आंख हुई नम, बिना हाथ और सिर का बेटा देख हुई बदहवास

- इलाके के लोगों पर भी दिखा हत्यारोपी का खौफ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिस अमित को 10 साल तक बड़े ही लाड-प्यार से पाला, आज उसे बिना सिर और हाथ के देख मां पुष्पा का कलेजा फटने को आ गया। कब्र में एक कट्टे के साथ दफन अमित की लाश जैसे ही बाहर निकली मां पुष्पा ने आपा खो दिया। बेटे के गम में कभी वो पुलिस को कोसती तो कभी भगवान को और जब कहीं से उसे दिलासा नहीं मिला तो हत्यारोपी के आंगन में सिर पटक-पटक कर कोसती रही और खुद को खत्म करने का प्रयास करने लगी। बेटे की मौत का गम तड़पती मां का दर्द देख वहां मौजूद लोग भी सिहर उठे और उनकी भी आंखें भर आईं।

पश्चिमी खेड़ा गौलापार में रहने वाले खूबकरन मौर्या बंटाईदार हैं। पत्नी संग खेतों में मेहनत कर परिवार पालते हैं। सोमवार रात भर परिवार और रिश्तेदार अमित को तलाशते रहे। परिजनों को रात ही अंदाजा हो गया था कि अमित के लापता होने के पीछे उनके घर से सौ मीटर की दूरी पर रहने वाला एक नशेड़ी युवक है। परिवार के लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि मंगलवार को आम के पेड़ के नीचे से जहां अमित की लाश बरामद की गई, वहीं पास में सोमवार रात डॉग स्क्वाड को उसकी चप्पल मिली थी। परिजनों में नाराजगी है कि अगर पुलिस ने रात में ही उनकी बात पर गौर किया होता तो शायद बच्चे को पहले ही बरामद कर लिया जाता। खूबकरन ने बताया कि उनका बेटा 5वीं कक्षा का छात्र था और उन्हें इंसाफ चाहिए। सीओ सिटी नितिन लोहनी ने बताया कि बच्चे का शव बरामद किया गया है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं, जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

अमित का शव देखकर बदहवास हुए भाई को संभालते परिजन। ● अमृत विचार

अमित मौर्या। (फाइल फोटो)

अमित की बदहवास मां को सहारा देकर ले जाते परिजन। ● अमृत विचार

हत्यारोपी के घर के पीछे बनी गौशाला की तलाशी लेती पुलिस। ● अमृत विचार

वॉशिंग पाउडर के पानी में भिगोए मिले खून सने कपड़े

हल्द्वानी : अमित की चप्पल, सीसीटीवी फुटेज में दिखने और शव बरामद होने के बाद पुलिस आरोपी के घर घुसी। आरोपी के घर के पीछे खड़े पानी के टैंकर और घर में अमित के सिर और हाथ की तलाश की गई। हाथ और सिर तो नहीं मिला, लेकिन एक बाल्टी में वॉशिंग पाउडर के पानी में भिगोए कपड़े पुलिस को नजर आए। बाल्टी से एक शर्ट व कपड़े मिले, जो खून से सने हुए थे। कुछ कपड़े वॉशिंग मशीन में भी मिले। फॉरेंसिक टीम ने कपड़ों को कब्जे में ले लिया है और शव के खून से कपड़ों पर लगे खून का मिलान कर रही है।

राज : दुष्कर्म, रंजिश या फिर तंत्र मंत्र के लिए चढ़ाई बच्चे की बलि

हल्द्वानी : अमित का कत्ल बेहद बेरहमी से किया गया और माना जा रहा है कि धारदार हथियार से अमित का सिर और हाथ काटा गया। संभवत: अमित विरोध न कर पाए इसके लिए पहले उसका गला घोंट कर मारा गया होगा। जिस तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक के पिता रंजिश की बात से पहले ही इंकार कर चुके हैं और हत्या के तरीके को देख कर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या की वजह या तो कुकर्म है या फिर तंत्र-मंत्र के चक्कर में अमित का सिर और हाथ काट कर बलि चढ़ाई गई है।

हत्यारे ने जुबान पर जड़ा ताला, न रात मुंह खोला और न दिन में

हल्द्वानी : आरोपी के घर के पास लगे एक सीसीटीवी का फुटेज मंगलवार को खंगाला तो अमित और हत्यारोपी साथ चलते नजर आया। हालांकि शक के आधार पर पुलिस सोमवार रात ही आरोपी के घर पहुंच गई थी, लेकिन उसने मुंह नहीं खोला। अगली सुबह सीसीटीवी फुटेज में आरोपी के नजर आने के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाई। शव बरामद होने के बाद आरोपी के घर का चप्पा-चप्पा खंगाल डाला गया। आरोपी के खिलाफ तमाम सुबूत मिले, लेकिन उसने जुबान पर ताला जड़ लिया है। वह न तो रात में कुछ बोला और न ही उसने दिन में मुंह खोला।

पुलिस को हत्यारोपी की मां पर भी शक

हल्द्वानी : पूरे मामले में एक और बात सामने आई है। बताया गया कि हत्यारोपी घर में अपने माता-पिता और भाई-भाभी के साथ रहता है। सोमवार को घटना से पहले हत्यारोपी का परिवार घर पर नहीं था। घर पर हत्यारोपी और उसकी मां ही थी। मां भी कुछ वक्त के लिए घास काटने गई थी, लेकिन सवाल यह है कि इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने, दफनाने और शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाने में कुछ घंटे लगे होंगे। ऐसे में इस बात का संभावना काफी कम है कि हत्यारोपी की मां को हत्या की जानकारी न हो। संभव है कि उसने अपने बेटे का साथ दिया हो।

सिटी ब्रीफ

कुमाऊं मंडल में सभी स्कूल रहेंगे बंद

हल्द्वानी : उत्तराखंड में लगातार हो रही अतिवृष्टि और जारी अलर्ट को देखते हुए पूरे कुमाऊं मंडल में बुधवार को सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से बुधवार को कुमाऊं मंडल के सभी जनपदों में भारी से अत्यंत भारी बारिश की आशंका जताई गई है। कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिलों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए पिथौरागढ़, चंपावत, बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिला प्रशासन की ओर से अलग अलग आदेश जारी कर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ ही कक्षा 12 तक के सभी शासकीय, अशासकीय और निजी विद्यालयों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

छवि ने सड़क निर्माण के लिए दिया ज्ञापन

हल्द्वानी : रामणी आनसिंह सीट से जिला पंचायत सदस्य डॉ. छवि कांडपाल बोहरा ने क्षेत्र में सड़कों की दशा सुधारने की मांग को लेकर लोनिवि कार्यालय में ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में सड़कें ठीक नहीं होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। जिला पंचायत सदस्य डॉ. छवि कांडपाल बोहरा मंगलवार को लोनिवि ईई प्रत्यूष कुमार से मिलीं। कठघरिया से पनियाली मार्ग जो करीब 1.7 किमी लंबा है, वह पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो चुका है। इसका पुनर्निर्माण किया जाए। मार्ग की बदहाली के कारण आमजन परेशान हो रहे हैं। सीमा बोरा, शरनजीत कौर, प्रणीता बोरा, पुष्कर बोरा, भावना नेगी आदि रहे।

जनता से सीधा संवाद, पुलिस ने किया समस्याओं का समाधान

- एसएसपी के निर्देश पर विभिन्न थानों में थाना दिवस आयोजित

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पुलिस ने जन संवाद को सशक्त बनाने के लिए एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा के निर्देश पर जिले के विभिन्न थानों में थाना दिवस का आयोजन किया। जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।

थाना दिवस का आयोजन हल्द्वानी, मुखानी, काठगोदाम, चोरगलिया, कालाढूंगी, बनभूलपुरा, लालकुआं, रामनगर और भवाली थानों में किया गया। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने कोतवाली हल्द्वानी, सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी ने थाना मुखानी, सीओ लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल ने कोतवाली लालकुआं और सीओ भवाली प्रमोद कुमार साह ने भवाली में आयोजित थाना दिवस में मौजूद रहे।

इस दौरान कुल 36 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 21 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। स्थानीय नागरिकों ने यातायात व्यवस्था, शांति एवं कानून व्यवस्था तथा स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

हल्द्वानी में थाना दिवस पर शिकायत सुनते एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, कोतवाल राजेश यादव।

ज्योति मेर के हत्यारोपी फरार पीछे-पीछे पुलिस गई बिहार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : योगा ट्रेनर ज्योति मेर के हत्यारोपी सगे भाई फरार हैं और माना जा रहा है कि पुलिस से बचने के लिए दोनों बिहार भाग गए हैं। उनकी तलाश में पुलिस की एक टीम बिहार रवाना हो गई है। हालांकि वारदात के 6 दिन बाद भी ज्योति की हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

ज्योति मेर। (फाइल फोटो)

ज्योति मेर मुखानी के जेके पुरम में किराये के कमरे में अकेले रहती थी और हीरानगर-मुखानी नहर कवरिंग रोड स्थित अजय योगा सेंटर में बतौर ट्रेनर काम करती थी। बीती 31 जुलाई को उसका शव उसी के कमरे में मिला था। जबकि उसकी मौत एक रात पहले हो चुकी थी। चार दिन पुलिस मामले की जांच करती और 3 अगस्त को ज्योति की हल्दूचौड़ निवासी मां दीपा मेर की तहरीर पर अजय यदुवंशी व अभय यदुवंशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। तब तक वह पुलिस के हाथ से बहुत दूर निकल चुके थे। चूंकि दोनों मूलरूप से बिहार के रहने वाले हैं तो माना जा रहा है कि दोनों बिहार में ही कहीं शरणस्थल तलाश रहे हैं। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी का कहना है कि हत्यारोपियों की हर संभव स्थल पर तलाश की जा रही है। जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उपनल कर्मियों ने वेतन की मांग को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

- उपनल कर्मचारियों को पांच माह से नहीं मिला है वेतन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में काम करने वाले उपनल कर्मचारियों ने पांच माह से रुके हुए वेतन को जारी करने की मांग सीएम पुष्कर सिंह धामी से की है। उन्होंने एसडीएम राहुल शाह के माध्यम से ज्ञापन भेजा है।

कर्मचारियों ने ज्ञापन में कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध एसटीएच में विगत 20 से 22 सालों से 659 आउटसोर्स और उपनल कर्मचारी काम कर रहे हैं। इन कर्मचारियों को पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिला है।

इस वजह से कर्मचारियों को अपना परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया जा रहा है। उपनल कर्मचारियों ने रुका हुआ वेतन दिलाए जाने के साथ ही कार्यरत कर्मचारियों के पदों को सृजित करने की मांग की है, जिससे किसी की नौकरी पर संकट न आए। इस दौरान माया, सुषमा, तारा देवी, भुवन, मुकेश आदि रहे।

वेतन की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन देते उपनल कर्मी। ● अमृत विचार

प्रवर्तन कार्रवाई में 27 चालान, 2 टैक्सी सीज

हल्द्वानी : परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर प्रवर्तन अभियान चलाया गया। टीम ने कुल 27 चालान किए। अभियान के दौरान 2 टैक्सी वाहन सीज किए गए। चालानी कार्रवाई में निजी बसें और उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का भी चालान किया गया। आरटीओ प्रवर्तन गुरदेव सिंह ने बताया कि सोमवार रात और मंगलवार को एआरटीओ प्रवर्तन जितेंद्र सिंगवान और परिवहन कर अधिकारी अनुभा आर्या के नेतृत्व में विभिन्न मार्गों में अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

हल्द्वानी पुलिस सॉल्वर गैंग के नेटवर्क को खंगालने में जुटी

- चैट से खुले कई राज, ढाई से चार लाख में हो रहा था सौदा
- पुलिस को अब तक 50 परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र मिले

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड में आकर नकल कराने की साजिश रचने वाले गिरोह के शातिरों ने जिन अभ्यर्थियों से एसएससी की परीक्षा पास कराने के नाम पर प्रवेश पत्र मांगे थे। उन्हें विभिन्न बैंकों के क्यूआर कोड भेजे थे। जिसमें लाखों रुपये एडवांस लेने की कोशिश थी। लेकिन पुलिस ने उनके मंसूबों को क्लीन बोल्ड कर दिया। उनकी बातों की चैट भी पुलिस को मिली है। जिसकी जांच की जा रही है।

सोमवार को पुलिस ने हल्द्वानी के देवलचौड़ स्थित उत्तर प्रदेश के रहने वाले 9 शातिरों को गिरफ्तार किया था। जो यहां एक कंप्यूटर लाइब्रेरी स्थापित कर आगामी 6 अगस्त को होने वाली एसएससी स्टेनोग्राफर की परीक्षा में नकल कराने की योजना बना रहे थे। इनके पास से पुलिस को 50 प्रवेश पत्र बरामद हुए, जो सारे यूपी के परीक्षार्थियों को थे। कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि उनके मोबाइल की कुछ चैट मिली हैं। जिनमें डील और पेंमेंट को लेकर व्हाट्सएप पर बातें हुई थीं। बताया कि ढाई लाख से चार लाख में जिन अभ्यर्थियों से सौदा हुआ था, आरोपी उनसे एडवांस मांग रहे थे। यह धांधली का सिलसिला 13 मई से शुरू हुआ। लगातार शातिर उनके संपर्क में थे। कुछ चैट में पूर्व में सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी धांधली की जानकारी पुलिस को मिली हैं। पुलिस का कहना है कि इनके अन्य नेटवर्क भी तलाशे जा रहे हैं, जो कि विवेचनाकापार्टहै।

यूसीसी: कल से निःशुल्क विवाह पंजीकरण शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम की ओर से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून के तहत विवाह पंजीकरण के लिए विशेष शिविर का आयोजन मंगलवार को नगर निगम परिसर में किया गया, जिसमें नगर निगम के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों सहित आम जनता ने यूसीसी में अपना पंजीकरण कराया। इस दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने स्वयं पंजीकरण कर उदाहरण प्रस्तुत किया और उपस्थित लोगों को विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र वितरित किए।

नगर आयुक्त ने बताय कि अब तक नगर निगम की ओर से लगभग 8500 विवाह पंजीकरण किए जा चुके हैं। नगर निगम के समस्त 60 वार्डों में भी पूर्व में विवाह पंजीकरण शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों नागरिकों ने लाभ उठाया। नगर निगम की ओर से कल (गुरुवार) से 13 अगस्त तक दोबारा सभी वार्डों में निःशुल्क विवाह पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

इधर, मुख्यमंत्री की ओर से विवाह पंजीकरण शुल्क को पूरी तरह माफ कर इसे निशुल्क कर दिया गया है। नगर निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि अपने नजदीकी वार्ड में जाकर निशुल्क पंजीकरण शिविर में भाग लेकर अधिक से अधिक संख्या में विवाह पंजीकरण कराएं।

यूसीसी में पंजीकरण कराने के बाद सर्टिफिकेट दिखाते नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी। ● अमृत विचार

नई पहल — दूरस्थ वन चौकियों को सौर ऊर्जा प्रणाली से रौशन करने की कवायद शुरू

अब सौर्य किरणों की मदद से रात में भी जगमगाएगा जंगल

- बिजली न होने के कारण रात अंधेरे में डूब जाती थीं कई वन चौकियां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अब अंधेरा जंगल की सुरक्षा में आड़े नहीं आएगा, क्योंकि जंगलात के अधिकारियों ने जंगल की सुरक्षा के लिए अब सूरज की रोशनी को स्टोर करना शुरू कर दिया। मतलब बिजली सुविधा से सीधे तौर पर महरूम रहने वाली वन चौकियां अब रात के अंधेरे में भी न सिर्फ जगमगाएंगी, बल्कि जंगल की सुरक्षा को मजबूत भी करेंगी। ये वो दूरस्थ क्षेत्र की वन चौकियां और फायर क्रू स्टेशन है, जहां बिजली की सुविधा नहीं थी।

हल्द्वानी डिवीजन के डीएफओ कुंदन कुमार के मुताबिक, उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूआरईडीए) के तकनीकी सहयोग से दूरस्थ वन चौकियों और फायर क्रू स्टेशन में सौर ऊर्जा पैनल लगाने की कवायद को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। जहां अब तक बिजली की अनुपलब्धता के कारण रात्रिकालीन ड्यूटी, संचार साधनों, मोबाइल चार्जिंग और उपकरणों के संचालन में दिक्कत होती थी, वहां अब 24 घंटे बिजली उपलब्ध होगी। दुर्गम चौकियों में शामिल इनमें शामिल जामपोखरा वन चौकी (छकाता राजि), दुर्गापीपल वन चौकी (टाण्डा राजि), खोलगड़, गौनियारो वन चौकियां और जौलासाल व ककोड़ चौकियां और फायर क्रू स्टेशन को सोलर संयंत्र से जोड़ दिया गया है। यानी जामपोखरा से ककोड़ तक चौकियों पर आधुनिक सोलर संयंत्र लगा दिए गए हैं। इन सभी स्थलों पर 2 किलोवाट (कुछ स्थानों पर 1 कि.वा.) क्षमता के सौर संयंत्र लगाए जा रहे हैं, जिनमें बैटरी बैकअप, इन्वर्टर, और चार्ज कंट्रोल यूनिट जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

वन चौकी में सोलर प्लांट लगाते कर्मी। ● अमृत विचार

वन विभाग को संचार, गश्त, निगरानी और वनाग्नि नियंत्रण में मिलेगी मजबूती

अधिकारियों के मुताबिक, इस योजना से वन चौकियों की कार्यक्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। वनकर्मी दिन के साथ रात गश्त, निगरानी और संचार से जुड़े कार्यों को बेहतर ढंग से अंजाम दे सकेंगे। वनाग्नि की सूचना और त्वरित नियंत्रण कार्यवाही में भी तीव्रता आएगी। यह पहल न केवल ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देगी, बल्कि वन्य जीवन की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन में भी मददगार साबित होगी।

बिठौरिया से किशोर लापता सूचना देने पर 50 हजार इनाम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर के बिठौरिया क्षेत्र से 14 वर्षीय किशोर हितार्थ अधिकारी बीते 31 जुलाई की शाम से लापता है। परिजनों के अनुसार, हितार्थ शाम करीब 7 बजे घर से निकला था, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। हितार्थ के परिजनों ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट मुखानी थाने में दर्ज कराई गई है।

हितार्थ ने लाल चेक शर्ट और नीली जींस पहनी है। साथ ही परिजनों ने हितार्थ की सूचना देने वाले को 50 हजार का इनाम देने की घोषणा की है। यदि किसी को हितार्थ के संबंध में कोई जानकारी हो, तो 9536825434 इस नंबर पर सूचना दे सकता है। परिजन व पुलिस टीम हितार्थ की तलाश में जुटे हुए हैं। परिजनों ने आमजन से अपील की गई है कि यदि उन्हें कहीं हितार्थ दिखाई दे तो वह तुरंत जानकारी देकर हमारी मदद करें। वहीं चौधरी कालोनी बरेली रोड निवासी रमन कनौजिया ने बनभूलपुरा में गुमशुदगी दर्ज कराई है। जिसमें उनने बताया कि 13 वर्षीय बेटा हार्दिक कनौजिया बीती 7 जुलाई की शाम कॉपी लेने घर से निकला था। वह पुलिस के पास पहुंचे तो पता लगा कि बेटा अपनी मां पूनम के पास है, जो कुछ वर्षों से उनसे अलग रह रही है। अगले दिन पूनम बेटे को गोल्डन फर्नीचर बरेली रोड छोड़ कर चली गई और तभी से हार्दिक का कहीं पता नहीं है। बनभूलपुरा थाना प्रभारी सुशील जोशी ने बताया कि बच्चे की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे बरामद कर लिया जाएगा।

हार्दिक कनौजिया।

हितार्थ अधिकारी।

सिटी ब्रीफ

भीमताल में बिजली व्यवस्था चरमराई

भीमताल : भीमताल की बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है। थोड़ी सी बारिश होने पर बिजली कटौती होना आम बात हो गई है। जब भारी बारिश होती है तो कई घंटों बिजली गुल रहती है। मंगलवार की सवेरे 2:00 बजे से भीमताल नगर में कई स्थानों में बिजली नहीं आई। बार-बार बिजली आने-जाने से उपभोक्ताओं के विद्युत उपकरण भी खराब हो गए। मालूम हो कि बिजली विभाग ने मेंटेनेंस का कार्य ठेकेदार को दिया है। वहीं, विभागीय सूत्रों के मुताबिक अनुबंध के तहत ठेकेदार ने कर्मचारी नहीं रखे हैं। जिसके चलते भीमताल में बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग के आदि अधिकारियों से संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई करने और उसका अनुबंध निरस्त करने नए ठेकेदार से अनुबंध करने की मांग की है।

62 लोगों ने आंखों की जांच कराई

भीमताल : विकासखंड ओखकांडा के टांडा प्राथमिक विद्यालय में नेत्र शिविर का आयोजन नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मदन परगई और दृष्टि आई हॉस्पिटल के तत्वावधान में किया गया। इसमें निशुल्क आंखों की, शुगर, ब्लड प्रेशर की निशुल्क जांच के साथ ही दवाइयां वितरित की गई। ग्राम प्रधान मदन परगाई ने बताया कि कैंप में 62 लोगों की आंखों की जांच हुई। जिन मरीजों को मोतियाबिंद की शिकायत थी, उन्हें हल्द्वानी ले जाकर आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत उपचार मुफ्त में कराया जाएगा। इस दौरान दृष्टि आई हॉस्पिटल से डॉ. विशाल श्रीवास्तव, गंगा प्रसाद, प्रभात बिष्ट, सोनू गंगवार, योगेश परगाई, कमल बोहरा, बच्ची सिंह बोहरा, ललित, तुलसी व चंदू बोहरा आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने भंडारे में ग्रहण किया प्रसाद

भवाली : टैक्सी यूनियन भवाली की ओर से नैनीताल रोड जोखिया स्थित मां मनसा देवी मंदिर में मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया। भारी बारिश के बावजूद भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद किया। टैक्सी यूनियन के तरफ से जजमान के रूप में संजय लोहनी व त्रिलोक खोलिया रहे। भंडारे को सफल बनाने के लिए टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार आजाद, उपाध्यक्ष संजय लोहनी, कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र, सचिव खष्ठी भट्ट, प्रदीप त्यागी, राजन लाल, त्रिलोकचंद पांडे, देवेंद्र सिंह रावत, दीपक रावत, रवि कुमार और पवन आदि मौजूद रहे।

शासन से स्वीकृत हुई थी भीमताल डैम के लिए धनराशि, इस कार्य की निगरानी की उठाई गई मांग

जीर्णोद्धार में लापरवाही, दरारों से खामियां उजागर

- सामाजिक कार्यकर्ता पूरन चंद्र बृजवासी ने उठाया मुद्दा
- पर्यटन व पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है यह डैम

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ब्रिटिश काल में निर्मित भीमताल डैम के जीर्णोद्धार कार्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन की ओर से स्वीकृत धनराशि के बावजूद डैम पर बड़ी दरारें बरकरार है, जोकि कार्यदायी संस्था की लापरवाही को दर्शाता है। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन चंद्र बृजवासी ने इस मुद्दे को उठाते हुए विभाग से गुणवत्तापूर्ण कार्य की मांग की है।

भीमताल डैम की दीवारों में पड़ी दरार। ● अमृत विचार

उन्होंने बताया कि उनकी पहल पर डैम के संरक्षण के लिए पूर्व में शासन से धनराशि मंजूर की गई थी। जिसमें दरारें भरना, सभी निकासी गेटों की मरम्मत, निकासी बंद गेटों को चालू करना और डैम एवं झील के संरक्षण जैसे कार्य शामिल थे, लेकिन डैम पर अब भी दिख रहीं दरारें कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह डैम न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि पर्यटन और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है। विभाग को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने शासन से विशेषज्ञ समिति गठित कर कार्य की निगरानी की मांग की है। सिंचाई विभाग का दावा है कि कार्य प्रगति पर है।

भवनों को भी पहुंचेगा नुकसान

भविष्य में यदि डैम को कोई नुकसान पहुंचता है तो डैम के नीचे नगर पालिका के रहने वाले पर्यावरण मित्रों के लगभग एक दर्जन भवनों को भी नुकसान पहुंचेगा। इस डैम के ठीक नीचे लगभग एक दर्जन से अधिक पर्यावरण मित्रों के निवास है। जिन्हें सुरक्षित स्थान पर अन्य आवास उपलब्ध कराने की मांग लगातार जारी है।

> भीमताल डैम में कार्य होना है। ठेकेदार के द्वारा कुछ फॉर्मेलिटी पूरी नहीं की गई है। शीघ्र ही इस पर कार्य किया जाएगा। -**मनमोहन सिंह बिष्ट**, सहायक अभियंता, सिंचाई विभाग।

> मामले की जानकारी है। नगर पालिका के द्वारा उनके लिए सुरक्षित भूमि का चयन करने की कार्रवाई जारी है। शीघ्र ही भूमि का चयन कर लिया जाएगा। पर्यावरण मित्रों के लिए आवास का निर्माण होगा। -**उदयवीर सिंह**, ईओ नगर पालिका

ब्लॉक रोड पर गड्ढे होने से दुर्घटना का अंदेशा

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल में ब्लॉक रोड पर कई स्थानों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। नतीजतन राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय व्यापारी भी परेशान है। साथ ही दुर्घटना होने का अंदेशा भी बनाा हुआ है। क्षेत्र के कारोबारियों ने अवगत कराया कि इस संदर्भ में उन्होंने कई बार नगर पालिका और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।

स्थानीय निवासियों के मुताबिक उन्होंने इस संबंध में विधायक को भी कई बार प्रार्थना-पत्र भी दिए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। होटल कारोबारी और पूर्व मंडल

ब्लॉक रोड में हुए गड्ढे। ● अमृत विचार

अध्यक्ष भाजपा मनोज भट्ट ने बताया कि अभी तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। बताया कि कार्य नहीं होने से अब स्थानीय व्यापारियों में रोष व्याप्त है। मालूम हो कि ब्लॉक रोड भीमताल की सबसे अधिक व्यस्ततम रोड है। प्रतिदिन यहां पर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। दुकानों में रखा सामान भी कीचड़ के कारण कारण खराब हो रहा है।

न्यायाधीश और अधिवक्ता दोनों ही कोर्ट के अधिकारी: जिला जज

जिला बार एसोसिएशन ने जिला जज समेत अन्य न्यायाधीशों का किया स्वागत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: न्यायाधीश और अधिवक्ता दोनों ही न्यायालय के अधिकारी होते हैं और दोनों का सम्मान समान रूप से किया जाना चाहिए। यह बात नवागंतुक जिला जज हरीश कुमार गोयल ने मंगलवार को जिला बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित स्वागत समारोह में कही।

जिला बार एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष भगवत प्रसाद, सचिव दीपक रूवाली सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिला जज हरीश कुमार गोयल सहित अन्य न्यायिक अधिकारियों का स्वागत किया। जिला जज गोयल ने कहा कि उन्होंने स्वयं दस वर्षों तक अधिवक्ता के रूप में कार्य किया है और उनके पिता भी अधिवक्ता हैं। अतः वे अधिवक्ताओं की समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा कि वादकारियों

नवांगतुक जिला जज हरीश कुमार गोयल सहित अन्य न्यायाधीशों का स्वागत करते संघ के पदाधिकारी व अधिवक्ता। ● अमृत विचार

को निष्पक्ष न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

बार संघ के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने न्यायिक अधिकारियों के आगमन पर आभार जताया और न्यायपालिका एवं अधिवक्ताओं के बीच सहयोग की भावना को बल देने की बात कही। सचिव दीपक रूवाली ने समन्वय और सौहार्द के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान नवांगतुक एडीजे प्रथम संजीव कुमार, एडीजे द्वितीय कुलदीप शर्मा, स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष सुधीर कुमार तोमर, सिविल जज जूनियर डिविजन उर्वशी रावत का स्वागत किया गया। इस दौरान सीनियर सिविल जज हर्ष यादव, रुचिका गोयल, सीजेएम रवि प्रकाश शुक्ल, एसीजेएम नेहा कुशवाहा सहित उपाध्यक्ष शंकर चौहान, उपसचिव दीपक दत्त पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रीति साह, मंजू कोटलिया, मान सिंह बिष्ट, हरिशंकर कंसल, मनीष मोहन जोशी, नीरज साह, अरुण बिष्ट, ओंकार गोस्वामी, राजेंद्र कुमार पाठक, राजेश चंदोला, सुशील कुमार शर्मा, पंकज बिष्ट, राम सिंह रौतेला आदि मौजूद रहे।

अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन दो माह से ठप पड़ी

संवाददाता, नैनीताल

- मरीज परेशान, दूसरे नगरों की शरण लेने के लिए मजबूर
- अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ का भी है अभाव

अमृत विचार: बीडी पांडे अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन पिछले दो माह से ठप है। मरीजों को सिटी स्कैन के लिए हल्द्वानी की शरण लेनी पड़ रही है। पीएमएस ने कहा कि मेंटीनेंस के अभाव में मशीन बंद करनी पड़ी है।

करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से दो साल पहले सीटी स्कैन मशीन अस्पताल में स्थापित की गई थी। स्थापित करने से पहले टेक्नीशियन नहीं होने के कारण इसे संचालित करने में विलंब हुआ था। संचालन शुरू होने के बाद प्रिंटर की दिक्कतें सामने आई, जिस कारण सीटी स्कैन नहीं हो पा रहे थे। करीब डेढ़ वर्ष तक सीटी स्कैन सुचारू रहे। इसके बाद कुछ न कुछ खामियां आते रहने से मशीन बंद करनी पड़ी है। जिसके चलते मरीजों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है और हल्द्वानी या अन्य नगरों की शरण लेनी पड़ रही हैं। पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि सीटी स्कैन मशीन अस्पताल के लिए बेहद जरूरी है। मशीन में आ रही दिक्कत के चलते

उसे बंद किया गया है। मशीन के मेंटीनेंस के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। दरअसल सीटी मशीन के रखरखाव के लिए खर्च बहुत आता है, जिसे लेकर शासन से अलग से डिमांड की गई है। इसे सुचारू किए जाने के जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इधर अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ का अभाव बना हुआ है। बाल रोग विशेषज्ञ के तीन पद हैं। जिनमें दो खाली पड़े हैं और एक चिकित्सक मेडिकल में चल रहे हैं। फिलहाल हल्द्वानी से अस्थाई रूप से एक बाल रोग विशेषज्ञ नियुक्त हैं, जो हल्द्वानी से रोजाना अपडाउन कर रहे हैं।

मजारों को ध्वस्त करने का उठा मुद्दा

रामनगर, अमृत विचार: विश्व हिंदु परिषद, बजरंग दल एवं दुर्गा वाहनी ने मजारों को ध्वस्त किए जाने की मांग की है। एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि राजकीय इंटर कालेज ढेला के अंदर अवैध मजार बनाई गई है और दूसरी मजार ढेला गांव में ढेला नदी के किनारे बनाई गई है। आरोप है कि संचालकों द्वारा नियमित रूप से लोगों को पूजा के नाम पर गुमराह करने का कार्य भी किया जाता है। ज्ञापन देने वालों में प्रशांत तिवारी, सुनील, सुरेंद्र, फूल कुमार, अंजली रावत देव, सुचिता आदि शामिल थे।

6 बच्चों का नवोदय विद्यालय में चयन

भीमताल, अमृत विचार : ग्रीन वुड पब्लिक स्कूल गलनी खनस्यू के 6 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। पिछले सत्र में भी विद्यालय से 6 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ था। अब तक विद्यालय से 56 बच्चों का चयन नवोदय में हुआ है। प्रबंधक नवीन चंद्र शर्मा ने शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्र/छात्राओं और अभिभावकों को बधाई व शुभकामनाएं दी है।

कॉर्बेट के पशु चिकित्सक दुष्यंत शर्मा हुए सम्मानित

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. दुष्यंत शर्मा को इंडियन वेटरनरी एसोसिएशन की ओर से नेशनल को-कन्वीनर वाइल्डलाइफ एंड जू वेटरिनेरियन के रूप में सम्मानित किया गया।

सीटीआर के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने कहा कि कॉर्बेट में डॉक्टर दुष्यंत शर्मा का अनुभव और समर्पण अनुकरणीय रहा है। उन्होंने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व एवं आसपास के क्षेत्रों में 200 से अधिक बाघों और गुलदारों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया है। इन सभी मामलों में उन्होंने न केवल वन्यजीवों की जान बचाई, बल्कि स्थानीय समुदायों और वन विभाग की टीमों के साथ मिलकर कार्य करते हुए

डॉ. दुष्यंत की हाथी के साथ। फाइल फोटो

संघर्ष की स्थितियों को भी नियंत्रित किया गया। राजाजी टाइगर रिजर्व में बाघों की आबादी को सुदृढ़ करने को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से पांच बाघों के सफल ट्रांसलोकेशन की परियोजना में डॉक्टर दुष्यंत शर्मा ने भूमिका निभाई। उप उपनिदेशक राहुल मिश्रा, पार्क वार्डन अमित ग्वासीकोटि, रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला आदि ने उन्हें बधाई दी।

रिसॉर्ट स्वामियों पर मुकदमा दर्ज

रामनगर, अमृत विचार : पुलिस ने एक ठेकेदार की शिकायत पर रिसॉर्ट के स्वामियों पर मुकदमा कायम किया है। मुरादाबाद निवासी मोहम्मद शमीम निवासी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का कार्य करता है। उन्होंने मैगी ब्लूम रिसॉर्ट मोहान में बनाया था। सन 2015-16 में 2 करोड़ 81 लाख 23 हजार 811 रुपये का रिसॉर्ट में काम किया। आरोप है कि काम होने के बाद पैसा नहीं दिया गया। इन लोगों के कहने पर रिसॉर्ट में 2019-20 में 33 लाख 20 हजार रुपये कर रिपेयरिंग का काम किया। उक्त लोगों ने केवल 14 लाख रुपये दिए। उक्त लोगों पर पीड़ित के 3,4195681 रुपये बाकी हे। वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज नयाल ने बताया कि नोएडा गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश निवासी पवन, समीर और तुषार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

साहसिक नौकायन यात्रा की पूर्ण

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: 5 यूके नेवल एनसीसी यूनिट नैनीताल की ओर से आयोजित सेलिंग अभियान मेन्यू कैंप में दूसरे दिन कैडेट्स ने प्रतिकूल मौसम और लगातार वर्षा के बावजूद 32 किलोमीटर की साहसिक नौकायन यात्रा पूरी की। प्रशिक्षण सत्र में सेलिंग के साथ-साथ स्मॉल आर्म्स ट्रेनिंग और ड्रिल जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां भी कराई गईं, जिनमें कैडेट्स ने अनुशासन और जोश के साथ भागीदारी निभाई।

अभियान मोस्ट इंटरप्राइजिंग नेवल यूनिट के तहत संचालित किया जा रहा है। जिसमें कैडेट्स आगामी 10 दिनों तक 280 घंटे से अधिक नौकायन अभ्यास करेंगे। यह शिविर कैडेट्स में नेतृत्व, टीम भावना, पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों का विकास कर रहा है। कमांडिंग

नैनी झील में अभ्यास करते एनसीसी कैडेट्स। ● अमृत विचार

ऑफिसर कैप्टन मृदुल शाह ने कैडेट्स की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कैडेट्स का समर्पण और अनुशासन उनकी अदम्य मानसिक शक्ति और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है।

कार्यक्रम में चीफ पेट्टी ऑफिसर विक्रांत सिंह, पेट्टी ऑफिसर रवि कुमार, लीडिंग कम्युनिकेशन सतीश शर्मा, पेट्टी ऑफिसर सनी कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। कैडेट्स की भागीदारी में सीनियर कैडेट कैप्टन निष्ठा जोशी, सीसी बीना, सीसी प्रिंस, कैडेट गौरव, साकेय, करन और अमन की भूमिका उल्लेखनीय रही। इसके अलावा लेफ्टिनेंट कमांडर अनिल मनहास, सब लेफ्टिनेंट डॉ. रीतेश साह, एसएमआई कमलेश सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख बनने को जादुई आंकड़ा बीस का

राकेश सनवाल, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख पद पर एक पूर्व कैबिनेट मंत्री, एक पूर्व विधायक और निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख की प्रतिष्ठा दांव पर है। पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक क्षेत्र की एक जिला पंचायत सीट को भाजपा के दामन से छीनने में कामयाब हो गए हैं। अब भीमताल ब्लॉक प्रमुख पद पर काबिज होने को मशक्कत कर रहे हैं। वहीं, पूर्व ब्लॉक प्रमुख भी भाजपा से इस बार ब्लॉक प्रमुख की दौड़ में हैं। उनके द्वारा भी लगातार विजय होने के लिए प्रयास किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों के मुताबिक इस बार चुनाव काफी रोचक होने की संभावना है।

एक ओर भाजपा पार्टी से निष्ठा रखने वालों ने खुले आम भाजपा प्रत्याशी पर अपनी आस्था व्यक्त कर दी है। इनकी संख्या लगभग दस से उपर बताई जा रही है, तो कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता ऐसे हैं जोकि इस बार दूसरे खेमे में देखे जा रहे हैं। भाजपा पार्टी के सूत्रों के मुताबिक निष्ठावान भाजपा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी के द्वारा उनको लगातार उनके पक्ष में मतदान करने के लिए कहा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के ब्लॉक प्रमुख के दावेदार भी कांग्रेस के साथ दिखाई दे रहे हैं। मालूम हो कि भीमताल ब्लाक में 38 क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। विजय होने के लिए बीस सदस्य पक्ष में होने चाहिए। अब लगभग सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों के भाजपा के निष्ठावान को छोड़कर सभी के मोबाइल बंद आ रहे हैं।

प्रेरणादायक

भावना मेहरा के नेतृत्व में महिलाएं बना रही हैं राखियां, प्रदेश की संस्कृति भी दिख रही झलक

रामनगर में बनीं राखियों की देश-विदेश में मची धूम

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: कुछ नया करने का हौसला अगर मन में हो तो इंसान सफलता की सीढ़ियां खुद चढ़ना सीख जाता है। कुछ ऐसा ही करते आगे बढ़ रही हैं रामनगर की महिलाएं। जिन्होंने देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति और कला को आगे बढ़ाते हुए देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते राखियों को नया सांस्कृतिक रूप देकर न सिर्फ अपनी लोक कला को संजोया है, बल्कि उसे स्वरोजगार से भी जोड़ा है। यहां महिलाएं ऊन और कुरेशी कला की मदद से ऐसी राखियां बना रही हैं, जिनमें कुमाऊंनी संस्कृति की झलक साफ

रामनगर में राखी बनातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

दिखाई देती है।

चोरपानी क्षेत्र की रहने वाली भावना मेहरा इस बदलाव की प्रमुख सूत्रधार हैं। उन्होंने न सिर्फ खुद ऊनी राखियां बनाना शुरू किया, बल्कि दूसरी महिलाओं को भी प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का काम किया। उनके साथ 30 से अधिक महिलाएं कुरेशी कला में पारंगत होकर हर साल राखी पर्व से पहले सैकड़ों ऑर्डर पूरे कर रही हैं। भावना मेहरा बताती हैं कि वह भारत सरकार की एक स्वरोजगार योजना के तहत महिलाओं को ऊनी राखी बनाने का प्रशिक्षण देती हैं। उनकी बनाई हुई रखियों में ईजा, भौजी, ददा, भूली, भाई, बौज्यू, दादी, काकी, काका, चाचा, चाची, बूबू जैसे पारंपरिक कुमाऊंनी संबोधनों के साथ सजाई जाती हैं। उनका मकसद का उद्देश्य सिर्फ रोजगार देना नहीं, बल्कि कुमाऊं की भाषा और संस्कृति को भी बचाना है।

सरकार से मिल चुका है सम्मान

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए भावना मेहरा को सरकार की ओर से सम्मानित भी किया जा चुका है। उन्हें राज्य स्तर पर महिला सशक्तिकरण के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र शर्मा कहते हैं कि रामनगर की इन महिलाओं ने यह साबित किया है कि संस्कृति और रोजगार एक साथ आगे बढ़ सकते हैं।

देश-विदेश से मिल रहे हैं ऑर्डर

इन ऊनी राखियों की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भावना मेहरा और उनकी टीम को अमेरिका, कैलिफोर्निया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे देशों के भारतीय परिवारों से भी ऑर्डर मिल रहे हैं। देश में दिल्ली, मुरादाबाद, हल्द्वानी और रामनगर जैसे शहरों से भी लगातार मांग बनी हुई है। अब तक यह टीम पांच से अधिक राखियों के विदेशी ऑर्डर पूरे कर चुकी हैं।

रैली में मौजूद क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र चंद्र दुर्गापाल। ● अमृत विचार

क्षेत्र पंचायत सदस्य दुर्गापाल ने निकाली रैली

हल्दूचौड़, अमृत विचार : क्षेत्र पंचायत वार्ड 37 दुर्गापालपुर परमा हल्दूचौड के नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र चंद्र दुर्गापाल ने रैली निकालकर ग्रामीणों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि चुनाव में उन्हें समाज के सभी वर्गों के मतदाताओं ने पूर्ण सहयोग दिया। जिससे वह 119 भारी मतों से अपने प्रतिद्वंद्वी को पराजित करने में कामयाब रहे। राजेंद्र चंद दुर्गापाल को 537 मत एवं दूसरे स्थान पर रहे गौरव कुमार को 418 मतों से संतोष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि संपूर्ण क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए विशेष रोड मैप तैयार किया जाएगा।

लेक इंटरनेशनल की टीम ने दर्ज की जीत

नैनीताल, अमृत विचार: सीआरएसटी ओल्ड बॉइज एसोसिएशन की ओर से आयोजित एचएन पांडे मेमोरियल चिल्ड्रन इंडिपेंडेंस डे कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतर्गत मंगलवार को नैन्सी कॉन्वेंट और लेक्स इंटरनेशनल स्कूल भीमताल के बीच मुकाबला हुआ।

मुकाबले की शुरुआत से ही लेक्स इंटरनेशनल की टीम आक्रामक खेल दिखाती रही और मध्यांतर तक 4-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हॉफ में नैन्सी कॉन्वेंट की टीम ने वापसी की कोशिश की और एक गोल किया, लेकिन लेक्स इंटरनेशनल ने भी एक और गोल दागते हुए 5-1 की शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ लेक्स इंटरनेशनल स्कूल अगले चक्र में पहुंच गया। मैच में प्रेम बिष्ट, भास्कर और अपूर्वा ने रेफरी की भूमिका निभाई।

बारिश-भूस्खलन से जनजीवन अस्तव्यस्त

दोपहर बाद यातायात के लिए खुला नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग, हल्द्वानी में 28 एमएम बारिश रिकॉर्ड

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग पर पिछले 12 घंटों से रुक-रुक कर भूस्खलन हो रहा है। जिससे मुख्य मार्ग बाधित हो रहा है। प्रशासन ने एहतियातन यातायात को भीमताल और कालाढूंगी मार्ग की ओर डायवर्ट कर दिया है। हालांकि इन वैकल्पिक मार्गों पर भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ने से यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भूस्खलन की सबसे गंभीर घटना नैनीताल के हनुमानगढ़ क्षेत्र में सामने आई, जहां एक पहाड़ी से अचानक विशाल बोल्डर नीचे गिरा और सड़क किनारे खड़े एक पिकअप वाहन पर आ गिरा। हादसे में वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि उस वक्त वाहन में कोई मौजूद नहीं था। बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बारिश के कारण लगातार हो रहे भूस्खलनों ने नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन को प्रभावित किया है। बाल्दियाखान, ज्योलीकोट, बेलुवाखान और बल्दियाख जैसे संवेदनशील इलाकों में भी मलबा और पत्थर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। लोक निर्माण विभाग की टीम लगातार मार्ग को साफ करने और मलबा हटाने का प्रयास कर रही है, लेकिन भारी वर्षा के कारण राहत कार्यों में बाधा आ रही है। मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों तक भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया बल्दियाखान हनुमान मंदिर के पास सोमवार को भूस्खलन हुआ था। जिसके बाद देर रात तक पहाड़ी से हुए भूस्खलन के मलबे को हटाकर यातायात शुरू करने का प्रयास किया, लेकिन देर रात को मार्ग नहीं खुल सका। वहीं मंगलवार सुबह पहाड़ी से हुए भूस्खलन को हटाने का काम शुरू करते हुए यातायात सुचारु कराया गया, मगर कुछ देर बाद फिर से पहाड़ी में भूस्खलन हुआ। जिससे दोपहर तक मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया गया है।

बाल्दियाखान हनुमान मंदिर के पास पहाड़ी से हुआ भूस्खलन। ● अमृत विचार

सरोवर नगरी में जारी रहा बारिश का दौर

नैनीताल : सरोवर नगरी में मंगलवार को रुक-रुक कर वर्षा का क्रम जारी। शाम को कुछ देर बारिश का रुख हल्का रहा तो देर शाम को पुन : तेज बारिश का दौर रहा। दिन में 15 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। नगर मे सुबह से ही वर्षा का क्रम शुरू हो गया था, जो रुक कर कर पूरे दिन जारी रहा। 10 बजे से 12 बजे के बीच थोड़ा राहत मिली, लेकिन उसके बाद कुछ देर विराम देने के बाद वर्षा जारी रही। जिसका सामान्य जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है। इधर नैनी झील का जलस्तर 83 .2 फीट पार कर गया है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 26 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश 15 मिमी हुई है।

पहाड़ी से पिकअप वाहन में गिरे बोल्डर, वाहन क्षतिग्रस्त। ● अमृत विचार

दिनभर बारिश से उफान पर आए नदी नाले

हल्द्वानी, अमृत विचार : हल्द्वानी में मंगलवार को सुबह से ही काले बादल छाये रहे और रुक-रुककर बारिश होती रही। दिनभर बारिश के कारण कई नाले उफान पर रहे। शहर में 28 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। आसमान में छाए काले बादल छाने से हल्द्वानी में दिन में ही अंधेरे का अहसास होने लगा। दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार हल्द्वानी का अधिकतम तापमान 26 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग द्वारा जलभराव और बाढ़ का भी पूर्वानुमान किया गया है। आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटों में नैनीताल में 40 एमएम, कालाढूंगी में 38 एमएम, रामनगर में 1.4 एमएम, श्री कैंचीधाम में 10 एमएम, बेतालघाट में 20 .1 एमएम व खनस्यू में 20 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई।

बारिश का आंकड़ा

काशीपुर	67 मिमी
ताकुला	63 .5 मिमी
बेरीनाग	42 .5 मिमी
चोरगलिया	39 मिमी
गंगोलीहाट	39 मिमी
खटीमा	38 मिमी
हल्द्वानी	28 मिमी

भूस्खलन व मलबा आने से 9 मार्ग बंद

हल्द्वानी, अमृत विचार : नैनीताल जिले में हो रही बारिश की वजह से मार्गों के किनारे भूस्खलन और बारिश हो रही है। इस वजह से मार्गों के बंद होने का सिलसिला जारी है। अमगढ़ी-पाटकोट, भलौन-पातली, कांडा-डौन परेवा, तल्ला रामगढ़-रातीघाट, भवाली-धानाचूली, बसगांव-सकदीना, डालकोट-पांगकटारा, फतेहपुर-बेल, खैरना-बेतालघाट मार्ग बंद हो गए हैं। इन मार्गों को खोले जाने का प्रयास किया जा रहा है। बंद हुए मार्गों की वजह से सबसे ज्यादा दिक्कत पहाड़ों में यात्रा करने वालों को रही है।

बारिश के बाद क्षतिग्रस्त बनभूलपुरा रेलवे क्रॉसिंग के आगे स्टेडियम को जाने वाली सड़क। ● अमृत विचार

गौला ने चौड़ीकरण कार्य के बीच फिर किया कटान, सुरक्षा पर संकट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: एक बार फिर बारिश और गौला नदी की तेज कटान ने हल्द्वानी से नेपाल बॉर्डर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क गौला पुल के पास एक हिस्सा तेज बहाव में वॉशआउट हो गया है। सड़क पर गहरी दरारें पड़ गई हैं, जिससे मार्ग पूरी तरह असुरक्षित हो गया है। सड़क पर दरारें और धंसाव के कारण ट्रैफिक अग्रिम आदेशों तक बंद कर दिया गया है।

गौलापुल के पास सड़क का हिस्सा दरकने के बाद प्रशासन ने बिना किसी पूर्व सूचना के बनभूलपुरा स्थित रेलवे क्रॉसिंग को सोमवार रात से बंद करवा दिया है। इससे गौलापार क्षेत्र के हजारों लोगों को रोजाना लंबा चक्कर लगाकर हल्द्वानी आना-जाना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से यह कदम सुरक्षा कारणों से उठाया गया है, लेकिन इसकी सूचना समय से न देने पर लोग असमंजस और परेशानी में हैं। अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि रेलवे क्रॉसिंग कब तक बंद रहेगी। पिछले वर्ष भी गौला नदी के उफान से इस मार्ग का एक बड़ा हिस्सा बह गया था, जिससे यह संकरा हो गया था। फिलहाल इसका चौड़ीकरण कार्य जारी है, लेकिन इसी बीच एक बार फिर नदी की ओर से कटान शुरू हो गया है, जिससे मार्ग असुरक्षित हो गया है। लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) की रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। इधर एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की चेतावनी के आधार पर यह मार्ग अग्रिम आदेश तक बंद किया गया है। स्थिति की निगरानी की जा रही है और सुरक्षा को देखते हुए ही आगे निर्णय लिया जाएगा।

लंबा फेरा, बढ़े किराये से लोग परेशान

मार्ग बंद होने के चलते अब गौलापार से हल्द्वानी आने-जाने वाले लोगों को या तो आंवला चौकी गेट होते हुए आना पड़ रहा है या फिर शनिबाजार रेलवे क्रॉसिंग तक डेढ़ किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। ट्रंचिंग ग्राउंड के सामने बने हाईवे कट को भी बंद कर दिया गया है, जिससे कई वाहन चालक उल्टी दिशा में चलने को मजबूर हैं, जो कि दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ा रहा है। इधर, ऑटो और टुकटुक चालकों ने लंबा रास्ता तय करने का हवाला देते हुए किराए में मनमानी बढ़ोतरी कर दी है, जिससे आम जनता की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। हल्द्वानी एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की चेतावनी के आधार पर यह मार्ग अग्रिम आदेश तक बंद किया गया है। स्थिति की निगरानी की जा रही है और सुरक्षा को देखते हुए ही आगे निर्णय लिया जाएगा।

नाले के ऊपर किए अवैध निर्माण स्वयं हटाएं: ऋचा

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने मंगलवार को जलभराव की शिकायत पर चीनपुर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान दो घरों के पास नाले के ऊपर अतिक्रमण पाया गया है। जिस पर नगर आयुक्त की ओर से सरकारी संपत्ति पर किए गए अवैध निर्माण को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द नाले पर किए गए अवैध निर्माण को हटाया जाए। कहा कि निर्देश का पालन नहीं करने पर नगर निगम की ओर से बलपूर्वक निर्माण को ध्वस्त किया जाएगा।

इधर, नगर निगम की ओर से जल भराव की सूचना पर तत्काल टीम भेज कर पानी की निकासी कराई जा रही है। साथ ही नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट करने के लिए अनाउंसमेंट भी लगातार कराया जा रहा है। नगर आयुक्त ने मंगलवार को स्वयं मौके पर पहुंचकर कलसिया और रक्सिया नाले, गौला बैराज के आसपास रहने वाले लोगों को बारिश के दौरान नाला पार नहीं करने की अपील की है। इस दौरान उन्होंने गौला बैराज में घूमने जा रहे कुछ लोगों को नदी के पास जाने से रोका।

प्रशासन ने की नदी किनारे न जाने की अपील

हल्द्वानी : मंगलवार को गौला का जलस्तर 4027 क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे की सीमा के बेहद करीब है। अचानक बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सिंचाई विभाग और प्रशासन ने नदी किनारे न जाने की सख्त अपील की है। प्रशासन ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि नदी के तेज बहाव के कारण कटान का खतरा भी बना हुआ है। अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारी सतर्क हैं और लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी नदी-नालों के आसपास मुनादी कराई जा रही है ताकि लोग सतर्क रहें और किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

हैरत: पहली ही बारिश में बह गए तटबंध

लालकुआ, अमृत विचार : बिंदुखत्ता क्षेत्र को बाढ़ से बचाने के लिए गौला नदी के किनारे बनाए गए तटबंध पहली बरसात में बह गए। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में तटबंध निर्माण में मानकों का पालन न करने का आरोप लगाया है। बिंदुखत्ता के इंदिरानगर द्वितीय स्तिथ गौला नदी में लाखों रुपये की लागत से बनाए गए तटबंध पहली ही बरसात नहीं झेल पाए। कांग्रेसियों ने चेतावनी दी कि यदि अविलंब इस मामले की जांच नहीं हुई, तो आंदोलन किया जाएगा। तराई पूर्वी वन प्रभाग के गौला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी चंदन सिंह अधिकारी ने बताया कि तटबंध बहने की जानकारी उनके पास नहीं है। यदि कोई तटबंध बहा होगा, तो उसकी जांच कराई जाएगी। कांग्रेसी नेता कुंदन सिंह मेहता, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू, प्रदीप बथ्याल और मुन्ना बिष्ट ने गौला नदी में पहली बरसात में बह गए तटबंधों को लेकर कहा कि अगर वन विभाग द्वारा तटबंध निर्माण में बोल्डर पत्थरों से निर्माण कराया होता तो यह स्थिति नहीं होती।

लालकुआं में बारिश से बहा तटबंध। ● अमृत विचार

जलभराव से दिलाई निजात

रामनगर, अमृत विचार : बरसात के चलते मालधन चौड़ में कई घरों में जलभराव होने से क्षेत्र के लोग परेशान रहे। पूर्व ब्लॉक प्रमुख बसंती आर्या ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया तो देर शाम तक मोटर से पानी निकालकर समस्या का निराकरण होने पर लोगों ने राहत की सांस की। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता व जेई को मौके पर बुलाया गया। उनके द्वारा जेसीबी मंगाकर पानी निकासी के लिए नाली साफ कराई गई। इस दौरान महेंद्र आर्य, गोविंद प्रसाद, मनमोहक उर्फ दीपू, गुरदीप, हिम्मत राम, चरणजीत, राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने किया दौरा

रामनगर, अमृत विचार : वर्षा से दिनभर जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। बाजारों में सन्नाटा पसरा था। नदी नाले कुछ स्थानों पर कुछ समय के लिए उफान पर रहे। कोसी नदी का जलस्तर बढ़कर देर सायं 32 हजार क्यूसेक मापा गया। पांच सड़कें बाधित रही, जिसमें से चार सड़कों को पूरी तरह खोल दिया गया है। एसडीएम प्रमोद कुमार ने क्षेत्रों का दौरा भी किया। एसडीएम प्रमोद कुमार व तहसीलदार मनीषा मारकाना ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

उत्तरकाशी आपदा के बाद नैनीताल प्रशासन अलर्ट

नैनीताल : उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में बादल फटने की घटना के बाद नैनीताल जिला प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिला अधिकारी ने सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। खासकर नालों, नदी किनारे बसे क्षेत्रों और भूस्खलन संभावित जोनों में तत्काल मुनादी कराने के आदेश दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को समय रहते सतर्क किया जा सके।

मौसम विभाग द्वारा अगले कुछ घंटों के लिए भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर प्रशासन ने स्नोव्यू (7 नंबर), खैरना बाजार, रामनगर व हल्द्वानी के नालों के पास रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। भीमताल के निचले क्षेत्रों व रामगढ़ में प्रशासनिक अधिकारियों और आपदा राहत टीमें तैनात कर दी गई हैं। पिछले वर्षों में रामगढ़ नाले, शिप्रा नदी और कोसी नदी ने खैरना बाजार व आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई थी।

9 अगस्त तक बारिश से राहत की संभावना नहीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल जिले में हो रही भारी बारिश से अभी राहत मिलने की संभावना नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार 9 अगस्त तक जिले में भारी बारिश होने की संभावना है। हल्द्वानी में मंगलवार को पूरे दिन बारिश होती रही।

हल्द्वानी में सुबह की शुरूआत बारिश के साथ ही हुई। दोपहर के वक्त कुछ देर के लिए बारिश हल्की हुई लेकिन उसके बाद फिर से शुरू हो गई। पूरे दिन बारिश होती रही। बारिश की वजह से शहर में कम भीड़-भाड़ रही। स्कूल भी बंद रहे। साथ ही बाजार में भी सन्नाटा पसरा रहा। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून का अनुमान है कि 9 अगस्त तक नैनीताल जिले में बारिश का अलर्ट रहेगा। इसके साथ ही ऊधमसिंह नगर जिले में भी बारिश का दौर जारी रहेगा। बारिश की वजह से हल्द्वानी में पारे में बहुत गिरावट आई है। पहाड़ों में भी मूलसाधार बारिश की वजह से पारे में काफी गिरावट आई है। मुक्तेश्वर में पारा 18.5 डिग्री रहा है।

अलर्ट रहा प्रशासन

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में मंगलवार की शाम 6 बजे से रात को 9 बजे तक कई स्थानों पर भारी से भी अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया था। अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, यूएस नगर, उत्तरकाशी में अलग-अलग स्थानों के लिए यह अलर्ट जारी हुआ था। मौसम विभाग ने जानकीचट्टी, पुलम सुमड़ा, पुरोला, बाराहाट रेंज, चिन्यालीसौड़, बद्रीनाथ, केदारनाथ, कर्णप्रयाग, लोहाघाट, डीडीहाट, मुनस्यारी, रुद्रपुर खटीमा, जसपुर में भारी बारिश के साथ ही तूफान आने की भी संभावना जताई।

खेल को पढ़ाई के विकल्प नहीं बल्कि पूरक के रूप में अपनाएं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को सर्वांगीण शिक्षा में खेल का महत्त्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी, लंदन की डॉ. मानसी पांडे मुख्य अतिथि रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व आईआईटियन और विविया बिजनेस कंसल्टेंसी के संस्थापक विवेक पांडे उपस्थित रहे।

कार्यशाला में डॉ. मानसी पांडे ने कहा कि खेल सीखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि एक बच्चे के मस्तिष्क का 90 प्रतिशत विकास 5 वर्ष की आयु तक हो जाता है, और इस दौरान खेल के माध्यम से बच्चों में एकाग्रता, टीम भावना और भावनात्मक संतुलन जैसे महत्वपूर्ण गुण विकसित किए जा सकते हैं। विवेक पांडे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि खेल को पढ़ाई के विकल्प के रूप में नहीं बल्कि पूरक के रूप में अपनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम को कम करने के लिए विशेष रूप से फुटबॉल जैसे आउटडोर खेलों को अपनाने की सिफारिश की। प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन्द्र कुमार रौतेला ने कहा कि आज के समय में बच्चों के अंदर संघर्ष करने की क्षमता विकसित करना एक चुनौती बन गया है, और खेल इसमें अहम भूमिका निभा सकते हैं। आईडी जोशी, रितु उपाध्याय, धनेश्वरी बुधौरी, अपर्णा, मनीषा जोशी, बीसी सती, जेएस नेगी आदि ने खेल और शिक्षा के समन्वय को लेकर विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे और चर्चा में भाग लिया। सहायक एफसी फुटबॉल कोच चार्ली पोमराय, निदेशक संजय शिंदे, श्रेष्ठ पांडे, रोहित जोशी, महेश जोशी, बीबी जोशी, कोच एसएस कपकोटी, कोऑर्डिनेटर प्रदीप मित्रा रहे।

सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग।

सुरक्षा उपाय | लगातार हो रही बारिश बनी आफत, एहतियात के तौर पर लोक निर्माण विभाग ने बंद कराया है मार्ग

बची हुई सड़क को बचाने के लिए नदी को किया चैनेलाइज

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बनभूलपुरा रेलवे क्रासिंग से गौलापुल तक के लिए सड़क को बंद करने के बाद लोनिवि बचे हुए हिस्से को बचाने में जुटा हुआ है। गौला नदी के बहाव को भी चैनेलाइज किया जा रहा है। सड़क के बचे हिस्से को बचाना चुनौती बना हुआ है, अगर बचे हुए हिस्से को नुकसान होता है तो दिक्कत और भी बढ़ जाएगी। लोक निर्माण विभाग चोरगलिया क्षतिग्रस्त मार्ग पर 1.48 करोड़ से सड़क बना रहा है। ऐसे में रेलवे क्रासिंग से लेकर गौलापुल क्षतिग्रस्त मार्ग तक 10 मीटर सड़क चौड़ी हो जाएगी लेकिन लगातार हो रही बारिश की वजह से भूकटाव और भूस्खलन की समस्या बढ़ रही है।

सूर्या और शेरनाला में पानी का तीव्र प्रवाह: जिला आपदा प्रबंधन के अनुसार गौलापार स्थित शेरनाला और सूर्यानाला में पानी का प्रवाह काफी तेज हो गया है। इस वजह से नाले के पास जाने के लिए लोगों को मना किया गया है। रकसिया नाले में भी बहाव तेज हो गया है।

यू टर्न कट को बंद कर देने से गलत साइड में चलता एक वाहन। ● अमृत विचार

यूटर्न साइनबोर्ड न हटाने से बढ़ा हादसे का खतरा

गौलापुल मार्ग बंद होने के बाद ट्रंचिंग ग्राउंड के सामने हाईवे पर बने कट को प्रशासन ने बंद तो कर दिया, लेकिन यूटर्न का साइनबोर्ड अब भी यथावत लगा हुआ है। इससे वाहन चालक भ्रमित हो रहे हैं और कई बार तेज रफ्तार में अचानक यूटर्न लेने की कोशिश करते दिखे हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। वहीं स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि जब से यह मार्ग बंद हुआ है, तब से यहां यातायात व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। यूटर्न का साइन हटाए बिना कट बंद करना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है।

रिटेनिंग वॉल का काम भी अटका

अगस्त 2024 की बारिश में गौला नदी के बहाव में इस सड़क का एक हिस्सा और जमीन नदी में बह गया था। लोनिवि गौला नदी से क्षतिग्रस्त मार्ग तक 120 मीटर लंबी रिटेनिंग वॉल बनाने जा रहा है। जो गौला की सतह से करीब 12 मीटर ऊंची होगी। इससे कुछ हद तक कटाव रोकने में मदद मिलेगी। काम शुरू हो जाना चाहिए था लेकिन बारिश की वजह से काम शुरू नहीं पाया है। लोनिवि का कहना है कि जैसे ही हालात सही होंगे काम को शुरू करवा दिया जाएगा।

अस्पताल में मौजूद सीएमएस डॉ. उषा जंगपांगी, क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल व स्टाफ।

अस्पताल में नव प्रसूताओं को बांटी खाद्य सामग्री

हल्द्वानी, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह के तहत इनर व्हील क्लब की ओर राजकीय महिला अस्पताल में नव प्रसूताओं को खाद्य सामग्री और दूध वितरित किया गया। साथ ही, उन्हें मां के दूध का महत्व भी बताया गया। अस्पताल की सीएमएस डॉ. उषा जंगपांगी की उपस्थिति में खाद्य सामग्री का वितरण हुआ। उन्होंने बताया कि प्रसूताओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। बताया गया कि, बच्चे के जन्म से छह माह तक मां का दूध सबसे अच्छा आहार होता है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, सचिव निवेदिता पांडे, दीपा तिवारी, कुसुम, सुशीला, राशि, रितु, निधि, रीता, किरन, कल्पना, आशा, प्रीति, रेखा, रश्मि, ज्योति, शोभा, नीरजा आदि सदस्य मौजूद रहीं।

रामपुर रोड क्षेत्र में बिजली गुल

हल्द्वानी, अमृत विचार: शहर के रामपुर रोड क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 9 बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। खासकर कामकाजी लोगों और व्यापारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बिजली विभाग के शहरी खंड के अधिशासी अभियंता (ईई) बेगराज सिंह ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण एक पेड़ बिजली की लाइन पर गिर गया था, जिससे आपूर्ति प्रभावित हुई। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तुरंत काम शुरू किया और लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 11 बजे बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

लगातार बारिश से थमने लगा जनजीवन

काशीपुर-सितारगंज में बरसा सबसे अधिक पानी, कुछ नदियां हैं शांत, मौसम बना सुहाना, पारा गिरा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : पिछले चौबीस घंटे से हो रही बारिश के कारण जहां जनजीवन ठहरने लगा है वहीं मौसम भी सुहाना बना हुआ है। जिले की कुछ नदियां अभी शांत हैं, तो कुछ नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से चंद दूर है। जिसके बाद आपदा प्रबंधन व जिला एवं पुलिस प्रशासन भी अलर्ट हो गया है।

बताते चलें कि मौसम विभाग ने पिछले कुछ दिन पहले ही भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी कर दिया था। जिसके बाद से सोमवार से लेकर मंगलवार की सुबह आठ बजे बारिश होने का सिलसिला जारी रहा। कुछ स्थानों पर भारी बारिश का आंकड़ा सामने आया है, तो कहीं सामान्य बारिश को दर्शाया है। बावजूद इसके गर्मी से निजात मिलने के साथ ही मौसम काफी सुहाना हो गया है।

वहीं जिले की नदियां भी अभी शांत बहाव में बह रही हैं। प्रशासन द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जसपुर में 20 एमएम, काशीपुर में 70 एमएम, बाजपुर में 04 एमएम, गदरपुर में 05 एमएम, रुद्रपुर में 03 एमएम, किच्छा में 20 एमएम, सितारगंज में 29 एमएम और किच्छा में 28 एमएम बारिश होने का मापदंड दिया है। जिसके चलते काशीपुर व सितारगंज में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। वहीं कुछ नदियों का जलस्तर बढ़ा है, लेकिन खतरे के निशान तक नहीं पहुंचा। बावजूद इसके आपदा प्रबंधन व प्रशासन पूर्णतया अलर्ट मोड में है। उधर, लगातार बारिश से मौसम सुहावना बना है। पारा गिरने से लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की है।

बारिश में छाता लगाकर निकलते बच्चे। ● अमृत विचार

शहर में हुए जलभराव से गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

शहर में कई स्थानों पर हुआ जलभराव

रुद्रपुर : सोमवार से लेकर मंगलवार दिन भर बारिश होने के कारण शहर में कई स्थानों पर जलभराव होने लगा है। सुबह से हो रही बारिश के कारण शहर के डीडी चौक,इंदिरा चौक के अलावा मुख्य बाजार में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई और यदि लगातार बारिश होती है तो शहर में जलभराव की स्थिति बढेग़ी। निगम कर्मी नालियों की तलीझाड़ सफाई में लगे हुए हैं।

नगर निगम ने लोगों को किया आगाह

रुद्रपुर : सिडकुल से लेकर रंपुरा बस्ती तक कल्याणी नदी के किनारे बसे लोगों को नगर निगम ने आगाह कर दिया है। इलाके में मुनादी करते हुए लोगों से अपील की है कि लगातार बारिश के कारण कभी भी कल्याणी नदी का जलस्तर बढ़ सकता है। यदि ऐसा होता है,तो प्रशासन द्वारा नजदीक के ही सरकारी विद्यालयों को शरणस्थली बनाई है। साथ ही हिदायत दी कि आदेशों की अवहेलना करने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

खेतों में निकासी नहीं होने पर जलमग्न हुई धान की फसल

- छोटी जोत के किसानों ने मौसमी धान की फसल जलमग्न होने से नष्ट होने की आशंका जताई
- प्रशासन से की नीची भूमि में बेमौसमी धान लगाने की अनुमति देने की मांग

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: विगत चार दिनों से लगातार रुक-रुक कर हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जगह-जगह पानी की निकासी न होने से मुख्य व लिंक मार्गों व धान की फसल कई जगहों पर जलमग्न हो गई है। धान की फसल को बचाने के लिए किसान विद्युत मोटर लगाकर भराव का पानी निकाल रहे हैं।

मंगलवार को जलमग्न हुए धान के खेतों से किसानों द्वारा विद्युत मोटर चलाकर पानी निकाला जा रहा है। बाजारों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्राम हरिपुरा के छोटी जोत के किसान प्रेम सिंह ने कहा कि कुछ किसान बरसात में खेतों से पानी निकासी के लिए बनी गूलों व नालों को बंदकर उसी पर खेती कर रहे हैं। नीचे खेतों के किसान विद्युत मोटर चलाकर खेतों में रुका पानी निकाल रहे हैं। ग्राम चरनपुर के छोटी जोत के किसान मान सिंह ने बताया कि तहसील प्रशासन को सर्वेकर वर्षा का रुका पानी खेतों से निकासी के लिए बंद गूलों व नालों को खुलवाना चाहिए। जिससे किसानों को वर्षा से राहत मिल सकेगी। किसान नेता चंचल सिंह देउपा ने कहा कि शासन- प्रशासन को बरसात के दिनों में सर्वेकर नीचे खेतों में मौसमी धान की फसल जलमग्न होने से नष्ट होने की कगार पर है। उन किसानों को चिन्हित कर बेमौसमी (गर्मियों) का धान की फसल को लगाने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नीची भूमि में गेहूं की फसल भी नहीं उगाई जाती है। किसान नेता गोविंद सिंह कोरंगा ने कहा कि प्रशासन छोटी जोत के किसानों पर कार्रवाई करने की धमकी देते रहते हैं। जबकि बड़ी जोत के किसानों को प्रशासन से सभी सुविधाएं मिलती हैं। फसल खराब होने पर छोटी जोत के किसान बैंक, सरकारी समिति व आढ़तियों से लिया ऋणों की अदायगी नहीं कर पा रहे हैं। प्रशासन को मौके पर जाकर सर्वे करना चाहिए। जिससे छोटी जोत के किसानों को राहत मिल सके।

दिनेशपुर के ग्राम चरनपुर में वर्षा से जलमग्न हुई धान की फसल। ● अमृत विचार

कार्यालय प्रमुख अधीक्षक
सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी

संख्या : E-Tender/2025-26 /1811 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक : 05-08-2025

सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी में निम्न कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2017 में उल्लेखित व्यवस्थानुसार प्रतिष्ठित फर्मों से निविदा प्रणाली के अन्तर्गत वार्षिक अनुबन्ध के आधार पर ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है-

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू० में	निविदा पत्र का मूल्य (जी०एस०टी० सहित) रू० में	धरोहर राशि
1	चिकित्सालय के सम्पूर्ण परिसर में सफाई व्यवस्था	63,00,000.00	4,720.00	1,26,000.00
2	चिकित्सालय में गन्दे कपड़ों की धुलाई	20,00,000.00	1,770.00	60,000.00
3	चिकित्सालय में पैथोलॉजिकल सामग्री आपूर्ति	30,00,000.00	2,360.00	75,000.00

निविदा फार्म निविदा की शर्तें एवं अन्य जानकारियां उत्तराखण्ड सरकार की वेबसाईट http://uktenders.gov.in से प्राप्त की जा सकती है तथा निविदा फार्म दिनांक 06.08.2025 की प्रातः 10:00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते हैं। निविदा के मूल्य हेतु निर्धारित राशि का ड्राफ्ट एवं धरोहर धनराशि की एफ०डी०आर० प्रमुख अधीक्षक (Principal Suprintendent), सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी के नाम से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में मूल में निविदा खोले जाने की तिथि से पूर्व जमा करवाना आवश्यक है, उक्त के आभाव में निविदा अस्वीकार कर दी जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

प्रमुख अधीक्षक
सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी

खटीमा में हुई 45 मिमी बारिश, पूर्णागिरि मंदिर की चहारदीवारी गिरी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नगर और ग्रामीण क्षेत्र में भोर में शुरू हुई वर्षा पूरे दिन रुक रुककर होती रही। इसके चलते कई निचले स्थानों पर पानी भर गया है और नदी नालों का जलस्तर बढ़ गया है। लगातार हो रही वर्षा के चलते कुटरी स्थित मां पूर्णागिरि मंदिर की चहारदीवारी गिर गई।

मंगलवार सुबह हुई वर्षा के बाद पूरे दिन रुक रुककर वर्षा होने से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। नगर के नागरिक अस्पताल, रिलायंस पेट्रोल पंप, टनकपुर रोड पर मैदा मिल के पीछे गोटिया इस्लामनगर में खकरा नाले का जल स्तर बढ़ने से लोगों के घरों में पानी घुस गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई निचले स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी और लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चकरपुर के कुटरी में लगातार वर्षा से मां पूर्णागिरि मंदिर की चहारदीवारी ढह गई है। नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान दीपा देवी ने स्थिति का जायजा लिया और एसडीएम को जानकारी दी। थारू राजकीय इंटर कालेज स्थित मौसम केंद्र प्रभारी नरेंद्र रौतेला ने बताया कि सुबह आठ बजे तक 27 मिमी और दिन में 18 मिमी कुल 45 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। उन्होंने बताया कि रात्रि में भी वर्षा होगी।

खटीमा के कुटरी स्थित मां पूर्णागिरि मंदिर की गिरी चहारदीवारी। ● अमृत विचार

खटीमा के खेतलसंडा क्षेत्र में फायर स्टेशन की रेस्क्यू टीम। ● अमृत विचार

जलभराव संभावित क्षेत्र पर फायर ब्रिगेड की नजर

खटीमा : मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशानुसार जनपद में भारी वर्षा को देखते हुए फायर स्टेशन की टीम क्षेत्र के जलभराव वाले स्थानों पर कड़ी नजर रखे हुए है। अग्निशमन अधिकारी सुभाष चन्द्र जोशी के नेतृत्व में एक रेस्क्यू उपकरणों से लैस रेस्क्यू टीम का गठन किया गया है। टीम जल भराव वाले क्षेत्र खेतलसंडा खाम और टेड़ाघाट का निरीक्षण करते हुए जनता को सचेत रहने के साथ ही फोन नंबर देकर आपात स्थिति में फोन करने को कहा।

बाजपुर के मुड़िया पिस्तौर ईदगाह के पास सड़क पर बना गड्ढा। ● अमृत विचार

ईदगाह मुड़िया पिस्तौर के पास सड़क पर हुए गड्ढे से परेशानी

बाजपुर : नगर के घनी आबादी वाले क्षेत्र मुड़िया तिराहे से मुड़िया पिस्तौर होकर रामनगर एवं मुड़िया कलां जारत के पास से काशीपुर बाईपास को जाने वाले नेहरू मार्ग पर ईदगाह मुड़िया पिस्तौर के पास सड़क पर हो रहा गड्ढा किसी संबंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधि को दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि इस गड्ढे में गिरकर आए दिन बाइक सवार चोटिल हो रहे हैं। बताते चलें कि गूगल लोकेशन पर इस मार्ग से ही रामनगर एवं जिम कार्बेट पार्क को जाने वाले टूरिस्ट वाहन निकलते हैं, इसलिए भी इस मार्ग की बहुत अहमियत है। बावजूद इसके किसी का भी ध्यान इस मार्ग पर हो रहे इस गड्ढे की तरफ नहीं जा रहा है। स्थानीय दुकानदार यूसुफ अली, उस्मान अंसारी, नासिर अली, रईस अहमद, वसीम अहमद, हाजी लियाकत अली, यूसुफ रजा, सुहैल फरीदी आदि ने जल्द इस मार्ग के गड्ढों को ठीक कराने की मांग की है।

राहत

काशीपुर में नगर निगम ने सालों से खुले नाले के जाल को पूरी तरीके से सीमेंट से ढक दिया है। इससे अब दुर्घटना होने की संभावना खत्म हो गई है। मंडी तिराहे पर नाले के जाल को बंद करते श्रमिक। ● अमृत विचार

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण)
79 हीरा नगर, निकट उत्थान मंच, हल्द्वानी (नैनीताल)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

E-mail : erddh@yahoo.co.in फोन : (05946) 292040 फैक्स : (05946) 298318

पत्रांक : 2786/वि०वि०ख०ग्रा० (ह०)/ दिनांक : 05/08/2025

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, आयकर में पंजीकृत एवं विद्युत सुरक्षा निदेशालय में 'ए' श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी, प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्मों से निम्न कार्यों हेतु मुहरबन्द निविदायें निर्धारित निविदा प्रारूप पर निविदा खुलने की तिथि को समय 3.00 अपरान्ह तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता या उनके मनोनीत अधिकारी द्वारा खोली जायेंगी। निविदा के प्रथम भाग में धरोहर राशि जो एफ०डी०आर० / सी०डी०आर० / एन० एस०सी० के रूप में होगी एवं अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण) के पदनाम प्रतिभूत होगी एवं आयकर एवं जी०एस०टी० पंजीकरण प्रमाणपत्र, विद्युत सुरक्षा निदेशालय का पंजीयन एवं सम्बन्धित प्रमाण पत्र। निविदा के भाग-2 निविदा की वैधता (रू० 10 के स्टाम्प पेपर पर) एवं दरे होगी। सशर्त एवं बिना धरोहर राशि के निविदा स्वीकार नहीं होगी। निविदा सम्बन्धी विवरण क्रमानुसार पढ़ा जाय-क्रम सं०. कार्य का विवरण, धरोहर राशि, आपूर्ति का समय, निविदा सं० एवं निविदा प्रपत्र का शुल्क जी०एस०टी० सहित।

1- प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत टी०पी० नगर उपखण्ड क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु नये परिवर्तक की स्थापना एवं क्षमतावृद्धि (5 स्थानों पर) एवं मैचिंग मैटरियल की आपूर्ति का कार्य, रु० 24000.00, 6 माह (छः माह), 19/2025-26, रु० 590.00 (कर राहित)।

2- प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत टी०पी० नगर उपखण्ड क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु नये परिवर्तक की स्थापना एवं क्षमतावृद्धि (5 स्थानों पर) एवं मैचिंग मैटरियल की आपूर्ति का कार्य, रु० 35000.00, 6 माह (छः माह), 20/2025-26, रु० 1180.00 (कर सहित)।

3- प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत विद्युत वितरण उपखण्ड, कमलुवागांजा क्षेत्रान्तर्गत विद्युत समस्या के समाधान हेतु विभिन्न स्थानों में नये विद्युत परिवर्तकों की स्थापना एवं क्षमता वृद्धि एवं मैचिंग मैटरियल की आपूर्ति का कार्य, रु० 42000.00, 6 माह (छः माह), 21/2025-26, रु० 1180.00 (कर सहित)।

4- प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत टी०पी० नगर उपखण्ड क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु नये परिवर्तक की स्थापना एवं क्षमतावृद्धि (8 स्थानों पर) एवं मैचिंग नैटरियल की आपूर्ति का कार्य, रु० 42000.00, 6 माह (छः माह), 22/2025-26, रु० 1180.00 (कर सहित)।

निविदा प्रपत्र, इस कार्यालय से कार्य दिवस में दिनांक 22.08.2025 तक निविदा प्रपत्र की कीमत अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के नाम बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक से भुगतान करने पर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा के खुलने की तिथि 23.08.2025 नियत की जाती है। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा प्राप्त निविदाओं में से किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार रखता है। निविदा खुलने की तिथि को अवकाश होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में प्राप्त एवं खोली जायेगी।

"Customer Care Toll Free No. 1912"
"Pay Electricity Bill Online 24x7 from www.upcl.org"
"विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ"
"राष्ट्रहित में विद्युत बचाएं"

अधिशासी अभियन्ता

उत्साह 19 बरीराई जिला पंचायत सदस्य पद पर भावना कोरंगा की जीत का पानू को दिया श्रेय, आभार व्यक्त किया

भाजपाइयों ने वरिष्ठ भाजपा नेता पानू का किया स्वागत

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : भाजपा कार्यकर्ताओं ने 19 बरीराई जिला पंचायत सदस्य पद पर भावना कोरंगा की जीत का श्रेय पूर्व जिपंस वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू को दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके निवास ललपुरी पहुंचकर जोरदार स्वागत किया।

मंगलवार को 19 बरीराई जिला पंचायत नवनिर्वाचित सदस्य भावना कोरंगा व जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू के नेतृत्व में दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता ढोल- नगाड़ों के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू के निवास ग्राम ललपुरी पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने जिला पंचायत सदस्य पद पर भावना कोरंगा की जीत का श्रेय पूर्व जिपंस वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू को देते हुए उनको फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू ने कहा कि जिपंस भावना कोरंगा की जीत क्षेत्र के सभी मतदाताओं की जीत है। उन्होंने कहा भाजपा संगठन व कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत व लगन से क्षेत्र की जनता ने अपना पूर्ण सहयोग देकर जीत दर्ज कराई है। उन्होंने 19 बरीराई जिला पंचायत क्षेत्र के सभी मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त कर धन्यवाद किया। इस मौके पर जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, वरिष्ठ नेता बच्चन सिंह, युवा नेता योगेश पानू, राजेंद्र सिंह मेहरा, देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू, पूर्व सैनिक गोविंद सिंह चौहान, गोपाल सिंह ठठोला, लोकपाल शाही, भगवत सिंह नयाल, राजेंद्र सिंह पानू, सचिन राणा, भगत सिंह धर्मशक्तू, हिम्मत सिंह पवार, प्रयाग दत्त कांडपाल, सुरेंद्र भंडारी, दुर्गा सिंह दानू, जितेंद्र सिंह नयाल, हरिनंदन तिवारी, जीवन चंद्र त्रिपाठी, कुलविंदर सिंह पानू, राकेश सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिनेशपुर के ग्राम ललपुरी में वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

दरांती हाथ में लगने से महिला घायल

बाजपुर : धान की रोपाई करके लौट रही महिला अचानक पैर फिसलने से गिर गई और उसके पास मौजूद दरांती हाथ की कलाई में लग गई। महिला को आनन-फानन में ही उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। ग्राम शीतपुरी बांसखेड़ा निवासी ओमवती (40) पत्नी बल्लू सिंह मंगलवार को दोपहर बाद करीब एक बजे खेत पर धान रोपाई करके अपने घर लौट रही थी और उसके हाथ में घास काटने की दरांती भी थी। बताया जाता है कि रास्ते में अचानक उसका पैर फिसल गया और वह असंतुलित होकर गिर पड़ी। इस दौरान दरांती हाथ की कलाई में जा लगी जिससे वह लहूलुहान हो गई। आनन-फानन में ही महिला को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

लेवड़ा नदी की चौड़ाई बढ़ाने की मांग उठाई

बाजपुर : आम आदमी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बेदी ने उपजिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन देकर कहा है कि वर्तमान में लेवड़ा नदी का स्वरूप मात्र एक नहर बनकर रह गया है। पीचिंग की चौड़ाई नदी के दोनों ओर मानकों के अनुरूप न होने से पानी की निकासी की क्षमता कम हुई हैं जिसमें पानी नदी के बाहर जाकर शहर बाजपुर एवं उसके आस-पास की बस्तियों व कृषि क्षेत्र में फैलता है, जिससे किसानों की फसल को भारी क्षति पहुंच रही है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि ग्राम पहाड़पुर बाजपुर से एनएच-74 तक नदी के क्षेत्रफल की जांच कर मानक के अनुसार चौड़ाई व गहराई बनाई जाए।

क्षतिग्रस्त नाली से मोहल्लेवासी परेशान

बाजपुर : वार्ड नंबर-एक केलाखेड़ा में क्षतिग्रस्त नाली में टूटा हुआ मलबा व स्लैप फंसी हुई है जिससे नाली में बारिश एवं घरों से निकलने वाले गंदे पानी का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। जिसके चलते नाली में पानी जमा होने पर वहां दुर्गंधयुक्त वातावरण में रहने को मजबूर हैं तथा मच्छर इत्यादि पनपने से लोगों में संक्रमण बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है। मोहल्ले में स्पीड ब्रेकर भी नहीं हैं।

सिपाही ने भीड़ पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

आबकारी विभाग रुद्रपुर में तैनात है आरोपी सिपाही, सोमवार रात्रि किच्छा हाईवे पर हुई वारदात

संवाददाता रुद्रपुर

अमृत विचार : ट्रक चालकों के आपसी विवाद में कूदते हुए आबकारी विभाग में तैनात सिपाही ने किच्छा हाईवे पर ऐसी गुंडागर्दी दिखाई कि हाईवे गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। सूचना मिलने पर बगवाड़ा चौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। इससे पहले ही आरोपी सिपाही पिस्टल लहराते हुए अपने साथियों के साथ फरार हो गया। पीड़ित ट्रांसपोर्टर ने चौकी पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। घटना की वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने प्रकरण की तफ्तीश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात्रि राजस्थान से लालपुर आ रहे ट्रक चालक का विवाद बगवाड़ा भट्टा के समीप दूसरे ट्रक चालक से हो गया। जहां लालपुर के ही रहने वाले ट्रक चालक ने फोन कर अपने साथियों को बुलाया और राजस्थान ट्रक चालक को देख लेने की धमकी देनी शुरू कर दी। थोड़ी ही देर में कार सवार दो व्यक्ति आए और चालक से उलझने लगे। इसी दौरान स्थानीय ग्रामीण भी इकट्ठा हुए प्रकरण की सूचना बगवाड़ा चौकी पुलिस को दी। इससे पहले कि पुलिस मौके पर पहुंचती, लालपुर का ही रहने वाला आबकारी सिपाही लाइसेंसी पिस्टल लेकर पहुंचा और भीड़भाड़ की ओर पिस्टल से दो राउंड गोलीबारी करते हुए बढ़ने लगा। गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर भीड़ अपनी जान बचाने के लिए भागने लगी और ट्रक चालक ने बगवाड़ा चौकी पहुंचकर अपनी जान बचाई। चश्मदीदों का कहना था कि आरोपी आबकारी विभाग में सिपाही है और अक्सर अपनी गुंडागर्दी व दादागिरी के लिए फेमस है। आरोप था कि सिपाही ने बीच बचाव कर रहे शेखर पासी नाम के युवक पर भी पिस्टल तान कर जान से मारने की धमकी दी। इससे पहले पुलिस खोजबीन करती, वह साथियों के साथ फरार हो गया।

ग्रामीणों पर भी भड़का सिपाही

रुद्रपुर : बगवाड़ा भट्टा के रहने वाले शेखर का कहना था कि जब राजस्थान से आ रहे ट्रक चालक ने दूसरे चालक पर दादा गिरी और लोकल होने के नाते देख लेने की धमकी दी थी। उस वक्त चालक बेहद डरा हुआ था और जैसे ही पहले दो व्यक्ति और बाद में आबकारी का सिपाही फायरिंग करता हुआ आने लगा। तो उसने व ग्रामीणों ने आवाज लगाकर ऐसा नहीं करने की बात कही। बावजूद सिपाही लोगों पर ही भड़कने लगा और अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा था।

हथकड़ी-पिस्टल लेकर घूमता है सिपाही

रुद्रपुर : गोलीबारी की घटना को अंजाम देने के बाद स्थानीय लोगों का कहना था कि आरोपी सिपाही इतना टशनबाज है कि अक्सर घर से निकलते वक्त हथकड़ी और लाइसेंसी पिस्टल लगाकर निकलता है और पुलिसिया रौब दिखाता रहता है। फरवरी 2025 में ही सिपाही की तैनाती आबकारी जिला कार्यालय में हुई और इससे पहले विवादास्पद होने के कारण चंपावत स्थानांतरण हुआ था। वहां भी विवाद के बाद उसे रुद्रपुर भेजा गया था।

> सोमवार की देर रात्रि दो ट्रक चालकों का आपसी विवाद हुआ था और दूसरे चालक द्वारा लालपुर के रहने वाले आबकारी सिपाही को बुलाया और सिपाही द्वारा अपनी लाइसेंसी पिस्टल से किच्छा हाईवे पर फायरिंग किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने रात्रि घटना की वीडियो प्राप्त कर ली है और जांच के बाद आरोपी सिपाही की जाएगी और एक जांच रिपोर्ट जिला आबकारी विभाग को दी जाएगी।
> **-प्रशांत कुमार**, सीओ रुद्रपुर।

> सोमवार की रात्रि किच्छा हाईवे पर विभागीय सिपाही द्वारा फायर किए जाने की खबर सोशल मीडिया में देखी है और बगवाड़ा पुलिस द्वारा भी सूचित किया गया है। इसके अलावा वीडियो फुटेज में सिपाही खुलेआम पिस्टल लेकर घूमता हुआ भी दिखाई दे रहा है। प्रकरण की विभागीय जांच प्रारंभ हो चुकी है और पुलिस एवं विभाग दोनों ही जांच कर रहे हैं। जल्द ही आरोपी सिपाही के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी।
> **-महेंद्र सिंह बिष्ट**, आबकारी निरीक्षक

रामानंद की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर : बगवाड़ा भट्टा निवासी रामानंद ने बताया कि सोमवार की देर रात्रि महाराजपुर लालपुर निवासी जसपाल सिंह, जसवीर सिंह उर्फ जस्सी और उनके साथ बलजीत सिंह एक ट्रक चालक जसपाल सिंह को घेरा कर हाथापाई की कोशिश कर रहे थे। जब उसने बीच बचाव की कोशिश की। तो खुद को आबकारी विभाग में तैनात बलजीत सिंह ने धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और जब बेटे शेखर पाखी ने उठाया। तो बलजीत सिंह व जसवीर सिंह ने बेटे पर हमला कर दिया और बलजीत ने पिस्टल निकालकर फायर करना शुरू कर दिया। गोली चलते ही बेटे ने भागकर अपनी जान बचाई। शिकायतकर्ता का यह भी कहना था कि बलजीत वर्दी व पिस्टल निकाल अ पने साथियों के साथ ट्रक चालकों से अवैध वसूली करता है और इलाके में दादागिरी भी करता रहता है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मछली पकड़ने को लेकर बरसाईं गोलियां, 6 ग्रामीण घायल

सितारगंज : सितारगंज क्षेत्र के गोठा में मछली पकड़ने के मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया, जब मछली झाला डैम के पास ठेकेदार पक्ष के लोगों ने डैम से मछली पकड़ने से रोकने पर विवाद के बाद ग्रामीणों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे 6 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। दिल दहला देने वाली इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो नामजद आरोपियों परगट सिंह निवासी भुडिया फार्म (बरेली) और राजेश निवासी फिरोजपुर अम्बेडकरनगर को नकपुरा तिराहे के पास से दबोच लिया, जबकि अन्य आरोपी जंगीर सिंह, तेजपाल उर्फ तेजी, जगजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, सन्नी और शाहिद की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में कबूला कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर डैम में मछली पकड़ रहे ग्रामीणों को रोका, और विवाद बढ़ने पर जंगीर सिंह ने बंदूक से 2-3 राउंड फायर किए। घायल ग्रामीणों में रेशम सिंह, बृजेश कुमार, राजेश, संजय कुमार, अजय कुमार और आजाद शामिल हैं, जिन्हें उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना तेज कर दी है।

बीएलओ के कार्य से हटाए जाने पर आशाओं में रोष

बाजपुर में भाजपा नेता गौरव शर्मा को ज्ञापन सौंपतीं आशा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: आशा कार्यकर्ताओं को बीएलओ के कार्य से हटाए जाने की मौखिक जानकारी पर कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। उन्हें भविष्य में बीएलओ के पद से हटाए जाने की दशा में सड़कों पर उतरकर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है।

मंगलवार को इस मामले को लेकर आशा कार्यकर्ता भाजपा नेता गौरव शर्मा के सुभाष नगर स्थित आवास पर पहुंचीं और समस्या से संबंधित ज्ञापन देकर शासन-प्रशासन में उनकी पैरवी करने का अनुरोध किया। उनका कहना था कि कुछ आशा कार्यकर्ता बीएलओ के पद पर कार्य कर रही हैं और पिछले कई वर्षों से लगातार 500 रुपये की मासिक आय पर कार्य किया है। आशा कार्यकर्ता (बीएलओ) का मासिक वेतन 12 हजार रुपये हो चुका है।

आशाओं ने कहा कि जानकारी मिल रही है कि विभाग द्वारा उन्हें बीएलओ के कार्य से हटाकर इनके स्थान पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बीएलओ की जिम्मेदारी दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आशा कार्यकर्ताओं को बीएलओ के पद से हटाया जाता है तो वह सड़कों पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर हो जाएंगी। इस मौके पर रीता कश्यप, प्रेमा आर्य, मंजू देवी, पूनम शर्मा, रेखा देवी, रेखा यादव, लखविंदर कौर, हेमा भट्ट, रेखा जोशी, शशि गुप्ता, निशा शर्मा, राजेश्वरी, आशा, बेबी, नेहा, मीना दिवाकर, रूप किशोरी, शशिबाला आदि मौजूद रही।

प्रवेश पोर्टल खोलने की मांग उठाई

खटीमा में प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते छात्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रों ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार को ज्ञापन सौंपकर बीए, बीएससी, बीकॉम फर्स्ट सेमेस्टर के प्रवेश और प्रवेश शुल्क पोर्टल खोलने की मांग की।

उन्होंने रिक्त सीटों में भी प्रवेश कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि छात्रों के हित में पांच दिन के अंदर तिथि नहीं बढ़ाई गई तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। मांग पत्र सौंपने वालों में हिमांशु भट्ट, हैदर, पवन कुमार, दानिश, अरशद, सुमित, विपिन, अभय, आशुतोष, शहबाज, विनय तथा यश आदि छात्र शामिल थे।

स्टेशन रोड तिराहे पर लगने वाले जाम से मिलेगी निजात

खटीमा, अमृत विचार : मजदूरी की तलाश में स्टेशन रोड पर सुबह के समय खड़े होने वाले मजदूरों से रोड पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। पालिकाध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी ने अब इसके समाधान की बात कही है।पालिकाध्यक्ष जोशी ने इसके लिए पुराने शहीद स्थल पर मजदूरों के खड़े रहने की व्यवस्था का निर्णय लिया है। स्टेशन रोड के तिराहे पर सुबह सात से 10 बजे तक यूपी से मजदूरी के लिए यहां पहुंचने वाले मजदूरों की भीड़ से जाम की स्थिति बनी रहती है। इसी दौरान ट्रेन से उतरने वाले यात्री और स्कूली बच्चों का भी समय होता है। जबकि मजदूर को ले जाने वाले कई जरूरतमंद अपने-अपने वाहनों से यहां पहुंचते हैं। जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। पालिकाध्यक्ष जोशी ने पुराने शहीद स्थल पर मजदूरों के खड़े रहने की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। इसके लिए संबंधित विभागों से भी पत्राचार किया गया है।

पावर स्टेशन के भीतर घुस गया जंगली भालू

संवाददाता शक्तिफार्म

अचेतावस्था में जंगली भालू।

अमृत विचार : सिडकुल स्थित पावर स्टेशन में जंगली भालू घुस जाने से हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने भालू का रेस्क्यू किया।

वन क्षेत्र किशनपुर के वन क्षेत्राधिकारी घनानन्द चनियाल ने कहा कि सिडकुल में स्थित विद्युत पावर स्टेशन में मादा जंगली भालू घुसकर चहल कदमी करने की सूचना मिली। तत्काल वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर लोकेशन ट्रेस की। इसके पश्चात वन विभाग की विशेषज्ञ टीम ने रेस्क्यू कार्य शुरू किया। जो कि शाम करीब साढ़े छह बजे तक चला। वन विभाग की टीम ने भालू को रेस्क्यू कर उसका इलाज किया और जंगल में छोड़ दिया। टीम में वन क्षेत्राधिकारी घनानंद चनियाल, रानीबाग से पहुंचे डॉ. तरुण कुमार गर्ग, पश्चिम वृत्त के डॉ. राहुल सती, वन दरोगा संजय कुमार, राजेश खन्ना, प्रकाश राणा, सतेंद्र कुमार, रवि लटवाल, मातवर बिष्ट, दीपू सिंह, मुजाहिद हुसैन, संदीप सक्सेना, इरशाद, मोहन जोशी शामिल रहे।

रास्ता अवरुद्ध करने और मारपीट करने का आरोप

बाजपुर : ठेले के साथ ही कुर्सियां इत्यादि डालकर रास्ता अवरुद्ध करने एवं विरोध करने पर घर में घुसकर गाली-गलौज व महिलाओं से अभद्रता करते हुए मारपीट का आरोप लगा एक व्यक्ति ने पड़ोसी परिवार के सदस्यों के विरुद्ध सुल्तानपुर पट्टी पुलिस चौकी में नामजद तहरीर दी है। मोहल्ला गांधीनगर सुल्तानपुर पट्टी निवासी सतपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि वह अपनी साइकिल से चारा लेकर घर जाता है तो पड़ोसी परिवार द्वारा कुर्सियां, चारपाई डालकर रास्ते को अवरुद्ध कर दिया जाता है। इतना ही नहीं रास्ते में हमेशा ठेला खड़ा कर रास्ता बंद किया जाता है। आरोप है कि रास्ते से हटने को कहने पर आरोपी उसे अकेला समझकर गाली-गलौज करने लगते हैं। आरोप है कि सोमवार की रात भी 11-12 महिला-पुरुष एकत्र होकर उसके घर में घुस गए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसकी पत्नी एवं दो बेटियों से अश्लील हरकत एवं अभद्रता भी कर दी।

परिवार से हुआ झगड़ा, चापड़ लेकर निकल पड़ा नशेड़ी

संवाददाता, रुद्रपुर

● **थाना ट्रांजिट कैंप ढाल इलाके का है मामला, परिवार को धमकाने जा रहा था आरोपी**

अमृत विचार : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में जब एक नशेड़ी का झगड़ा परिवार से हुआ तो आवेश में आकर वह धारदार चापड़ लेकर निकल पड़ा। पुलिस ने चेकिंग के दौरान उसे दबोच लिया और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

जानकारी के अनुसार चार अगस्त की रात्रि को संजय नगर खेड़ा निवासी अधेड़ टिकेंद्र सरकार नशे की हालत में घर पहुंचा। इस पर उसका विवाद परिवार से हो गया और लड़ाई झगड़े के बाद नशेड़ी को घर से निकाल दिया। बताया कि अपनी बेइज्जती से खफा नशेड़ी धारदार चापड़ लेकर घर जा रहा था कि तभी रात्रि गश्त दरोगा विकास रावत को खबर मिली कि एक नशेड़ी गंगापुर रोड मुख्य मार्ग घूम रहा है और नशे की हालत में परिवार को मारने की धमकी भी दे रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नशेड़ी को दबोच लिया और उसके कब्जे से धारदार चापड़ भी बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि झगडे.के बाद वह चापड़ लेकर घरवालों को डराने या धमकाने जा रहा था। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल करवाकर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हादसों में 14 वर्षीय किशोर सहित दो घायल

बाजपुर : अलग-अलग सड़क हादसों में 14 वर्षीय किशोर सहित दो लोग घायल हो गए, जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। मुड़िया पिस्तौर निवासी 55 वर्षीय शराफत अली गांव-गांव फेरी लगाकर सामान बेचने का काम करता है। रोजाना की भांति मंगलवार की प्रात: करीब छह बजे वह बाइक पर फेरी लगाने गया था। इसी बीच नैनीताल स्टेट हाईवे पर ग्राम नमूना के निकट तेज रफ्तार कार सवार ने बाइक को चपेट में ले लिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे एक अन्य सड़क हादसे में ग्राम मडैया हट्टू निवासी 14 वर्षीय अजय सिंह पुत्र करनैल सिंह घायल हो गया।

निर्माणाधीन मकान में चोरी करते युवक को दबोचा

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: आवास विकास क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान में चोरी कर रहे आरोपी युवक को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने युवक की जमकर पिटाई लगा दी। पकड़ा गया युवक खुद को भाजपा नेता का भतीजा बता रहा था। आरोपी युवक द्वारा हाथ जोड़कर माफी मांगने के बाद स्थानीय लोगों ने युवक को छोड़ दिया।

नगर के आवास विकास क्षेत्र में पटेल पार्क के निकट नगर निवासी वरिष्ठ व्यापारी का मकान बन रहा है तथा मकान में लोहे की ग्रिल लगाने तथा साज सज्जा का कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह तड़के करीब 6:30 बजे एक युवक दीवार कूद कर घर में घुस आया और लोहे के एंगिल चुरा लिए। घटना के दौरान निर्माणाधीन मकान में कोई मौजूद नहीं था। आरोपी युवक द्वारा लोहे का सामान उठाने के बाद मौके से फरार होता देख निकट निवासी महिला ने शोर मचा दिया और पार्क में टहल रहे तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। वार्ड वासियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई लगा दी। लोगों द्वारा पूछे जाने पर आरोपी युवक ने खुद को सुनेहरी वार्ड किच्छा निवासी तथा स्थानीय भाजपा नेता का भतीजा बताया। घटना की सूचना पर मकान स्वामी व्यापारी भी मौके पर पहुंच गए।

किच्छा में गौला नदी का निरीक्षण करते भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह एवं अन्य लोग। ● अमृत विचार

भाजपा नेता संजीव सिंह ने बाढ़ संभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया

किच्छा : लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। नगर के तमाम निचले क्षेत्रों में जल भराव होने से स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने लगातार हो रही बारिश के कारण अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को मौसम विभाग का पूर्वानुमान सही साबित हुआ और मंगलवार का पूरा दिन लगातार बारिश होती रही। जिसके चलते जनता को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने तमाम समर्थकों के साथ गौला नदी क्षेत्र का भ्रमण कर उप जिलाधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर स्थिति से अवगत कराया। इस दौरान ब्रह्मानंद पुरोहित, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मंत्री विशाल चौहान, धनंजय सिंह, नवीन सिंह, कमलेश दुबे, करन गंगवार, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

खराब गुणवत्ता

बरसात के पानी से ही जगह-जगह धंसने लगे चैनेलाइज में लगाए गए पत्थर

बैगुल नदी में किए जा रहे चैनेलाइज कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : बाढ़ सुरक्षा के लिए बैगुल नदी में किए जा रहे चैनेलाइज कार्यों पर ग्रामीणों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया है। अभी बैगुल नदी में बाढ़ आई भी नहीं, परंतु महज बरसाती पानी से ही जगह-जगह किए गए चैनेलाइज में लगाए गए पत्थर धंसने लगे हैं।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से, राज्य आपदा न्यूनीकरण मद से बिगुल नदी के डाउनस्ट्रीम में दोनों ओर के तटबंध तथा अपस्ट्रीम में बायीं ओर के तटबंध की मजबूती के साथ, निर्मल नगर में बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए 404.53 लाख रुपये की स्वीकृति मिली। वहीं राज्य स्तरीय इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क के किनारे बहने वाली सूखी नदी में बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए 682.02 लाख रुपये की स्वीकृति मिली। मानसून से पूर्व कार्य भी आरंभ कर दिया गया। परंतु कार्य अभी अधूरा है। बैगुल नदी पुल के दोनों छोर पर किए गए चैनेलाइज में लगाए गए पत्थर बरसाती पानी से ही क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। ऐसे में बाढ़ सुरक्षा के लिए किए जा रहे चैनेलाइज के गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजिमी हैं। झाड़ी गांव निवासी अवतार सिंह चीमा ने कहा कि उन्होंने जगह-जगह लगाए गए पत्थर धंसने की सूचना विभागीय अधिकारियों को दी, परंतु अभी तक विभागीय अधिकारी इस पर गंभीर नहीं हैं।

बरसाती पानी से ही धंसने लगी चैनेलाइज में लगाई गई पत्थर । ● अमृत विचार

बैगुल नदी के तटबंध पर करोड़ों के लागत से किया जा रहा चैनेलाइज कार्य।

बाढ़ चौकी पर लटका मिला ताला

बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील गांव में, प्रशासन द्वारा सुरक्षा के लिए बाढ़ चौकी स्थापित की गई है, ताकि बाढ़ जैसे हालात पैदा होने पर प्रशासन को इसकी सूचना मिल सके। परंतु लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि, झाड़ी गांव के पंचायतघर में बनाए गए बाढ़ चौकी में मंगलवार को ताला लटका मिला। जब इस बारे में तहसीलदार हिमांशु जोशी से वार्ता की तो, उन्होंने कहा कि बाढ़ चौकी पर हमेशा कर्मी की तैनाती नितांत आवश्यक है। वह संज्ञान लेकर लापरवाह कर्मी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

आधे अधूरे बाढ़ सुरक्षा कार्यों से ग्रामीण नाराज

बैगुल नदी में आधे-अधूरे किये जा रहे बाढ़ सुरक्षा कार्यों से ग्रामीण नाराज हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान से तटबंध टूटने की आशंका बनी रहती है वहां पर कोई कार्य नहीं हो रहा है। झाड़ी गांव निवासी रमेश ढाली ने कहा कि बाढ़ सुरक्षा के लिए जो कार्य किया जा रहा है वह महज खानापूर्ति है। ग्रामीण सुरेंद्र विश्वास ने कहा कि बाढ़ सुरक्षा में किए जा रहे चैनेलाइज कार्य में गुणवत्ता को दरकिनार कर दिया गया है। ग्रामीण अवतार सिंह चीमा ने कहा कि चैनेलाइज में लगाए गए पत्थर, महज बरसाती पानी को ही झेल नहीं पाए।

मुख्य मार्ग पर पेड़ गिरने से बाधित यातायात व्यवस्था । ● अमृत विचार

पेड़ को हटवाकर यातायात व्यवस्था दुरुस्त कराई

शक्तिफार्म : भारी बरसात के मध्य चेयरमैन ने सड़क पर गिरे विशालकाय पेड़ को तत्काल हटवाकर यातायात सुचारू करवाया। सोमवार रात से ही लगातार हो रही भारी बारिश के कारण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट मुख्य मार्ग पर विशालकाय जामुन का पेड़ गिर गया। जिस कारण, शक्तिफार्म किच्छा एवं सितारगंज मार्ग पूर्ण रूप से बाधित हो गया था। जिसकी सूचना मिलते ही नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल, नगर पंचायत कर्मियों के साथ, भारी बरसात के मध्य मौके पर पहुंचे एवं विशालकाय पेड़ को खुद मौजूद रहकर हटवाया एवं पुन: यातायात व्यवस्था दुरुस्त कराया।

सिटी ब्रीफ

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा बांटी

काशीपुर : मंगलवार को चामुंडा विहार स्थित अनमोल फाउंडेशन की ओर से संचालित बाल देखरेख संस्थान में दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गई। इस दौरान बच्चों के माता-पिता को स्वास्थ्य और देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। संस्थान की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मीनाक्षी चौहान ने अपने बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की है। इस मौके पर सतीश चौहान, डॉ. कुलदीप, डॉ. मनु शर्मा, नीलम, जयंत कुमार, मेघा बिष्ट, पूनम, निधि आदि मौजूद रहे।

चाकू के साथ युवक को गिरफ्तार किया

काशीपुर : पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी पंजीकृत की जा रही है। टांडा चौकी पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान रेलवे कालोनी रोड से निवासी ढकिया, गुलाबो मजार के पास निवासी भूपेन्द्र सैनी पुत्र लेखराज सिंह सैनी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह छोटी-मोटी चोरियां करता है और अपने बचाव के लिए अपने पास चाकू रखता है। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

ऑल इंडिया फुटसाल चैंपियनशिप का आगाज

डीएम ने खिलाड़ियों से लिया परिचय, 17 टीमें ले रही हैं हिस्सा

मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते डीएम नितिन भदौरिया। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन, उत्तराखंड फुटबॉल एसोसिएशन और खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुटसाल चैम्पियनशिप 2024-25 का आयोजन हुआ। प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ जिलाधिकारी नितिन भदौरिया और ओलम्पिक संघ के प्रदेश महासचिव डीके सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। प्रतिस्पर्धा में देश भर की 17 फुटसाल टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

मंगलवार को डीएम ने शिवालिक हॉल में बैठकर फुटबॉल क्लब एवं मिनखा फुटबॉल क्लब के बीच हुए रोमांचक मुकाबले का भी आनंद लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाएं युवाओं को प्रेरित करने के साथ ही राज्य की खेल प्रतिभाओं को भी राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करती है। साथ ही खेल परिदृश्य को एक नई पहचान भी दे रही है। बताया कि फुटसाल प्रतिस्पर्धा प्रदेश में पहली बार हो रही है। इस मौके पर एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम मनीष बिष्ट, सचिव उत्तराखंड फुटबॉल एसोसिएशन अख्तर अली, जिला क्रीड़ाधिकारी जानकी कार्की आदि मौजूद रहे।

जनजाति आईटीआई में प्रवेश शुरू

खटीमा : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में नए शिक्षा सत्र के लिए विभिन्न ट्रेड के लिए 156 बच्चों की मेरिट के आधार पर सूची जारी कर दी गई है। इनके प्रवेश की अंतिम तिथि आठ अगस्त है।

अनुसूचित जनजाति के युवक युवतियों के लिए संचालित कोर्स में नए शिक्षा सत्र के लिए फीटर-20, इलेक्ट्रीशियन-20, मैकेनिकल डीजल-48, कोपा-24, स्टेनो हिंदी-24 तथा सिलाई प्रौद्योगिकी की-20 सीटों कुल 156 के प्रवेश लिए जाने हैं।

संस्थान के अधीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इन पदों के लिए छात्र-छात्राओं से आवेदन मांगे गए थे। जिसमें 599 बच्चों ने आवेदन किया था। यह भी बताया कि मेरिट के आधार पर सभी रिक्त 156 सीटों के लिए चयनित छात्र छात्राओं की सूची जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रवेश लेने की अंतिम तिथि आठ अगस्त है। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि तक जिन ट्रेडों में चयनित बच्चे प्रवेश नहीं लेंगे उनके स्थान पर दूसरी सूची जारी की जाएगी। उन्होंने चयनित छात्र-छात्राओं से निर्धारित तिथि तक प्रवेश लेने की अपील की है।

हेमपुर डिपो में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट की तैयारियां हुईं तेज

- पिटकुल के प्रबंध निदेशक ने किया भूमि का निरीक्षण
- काशीपुर क्षेत्र को मिलेगी विद्युत संकट से राहत, पारेषण तंत्र के विस्तार के निर्देश

संवाददाता, काशीपुर

हेमपुर डिपो स्थित नेपा फार्म में निरीक्षण करते पिटकुल के प्रबंध निदेशक।

अमृत विचार : उत्तराखंड में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। पिटकुल के प्रबंध निदेशक पीसी ध्यानी ने शनिवार को काशीपुर के हेमपुर डिपो स्थित नेपा फार्म में प्रस्तावित 2 गुणा 600 मेगावाट क्षमता के न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए चिन्हित 803 एकड़ भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ध्यानी ने बताया कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और पिटकुल अध्यक्ष आनंद बर्द्धन एवं प्रमुख सचिव ऊर्जा मीनाक्षी सुंदरम के दिशा-निर्देशन में राज्य में ऊर्जा क्षेत्र लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यूक्लियर पावर प्लांट से होने वाली विद्युत आपूर्ति की निर्बाध निकासी सुनिश्चित करने को पारेषण तंत्र के निर्माण व विस्तार की अग्रिम कार्यवाही तत्काल शुरू की जाए।

प्रबंध निदेशक ने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से काशीपुर सहित ऊधमसिंह नगर क्षेत्र को विद्युत रोस्टिंग, लो-वोल्टेज व लोड शेडिंग जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी।

साथ ही स्थानीय उद्योगों को भी स्थिर और पर्याप्त बिजली मिल सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पिटकुल ने बीते कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है और आज यह देश की शीर्ष चार पारेषण कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर है। इस दौरान निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता एच.एस. ह्यांकि, तकनीकी सलाहकार पंकज कुमार, अधीक्षण अभियंता ललित कुमार, अधिशासी अभियंता अशोक कुमार व आशुतोष सिंह, प्रज्जवल भास्कर, तथा स्थानीय अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता उपस्थित रहे।

विधायक ने जरूरतमंदों को वितरित किए चेक

जरूरतमंदों को चेक वितरित करते विधायक चीमा। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से प्राप्त एक लाख 45 हजार रुपये के छह चेकों का वितरण जरूरतमंदों को किया।

बीती शाम विधायक कार्यालय में बांसखेड़ा निवासी मीना को 10 हजार और गिन्नीखेड़ा निवासी बबलू को 10 हजार रुपये उनकी पुत्रियों की शादी के मद में दिए गए। वहीं, गिन्नीखेड़ा निवासी बलविंदर कौर को 25 हजार, बांसखेड़ा निवासी अनीता को 25 हजार का चेक आजीविका मद से सौंपे। इसके अलावा खड़कपुर देवीपुरा निवासी राजवीर को 25 हजार, काजीबाग निवासी अजयपाल को 50 हजार के चेक अग्निकांड मद में दिए गए हैं। कहा कि हरसंभव सहायता दिलाए जाने के लिए का प्रयास जारी रहेगा।

महाविद्यालयों में भी होना चाहिए अवकाश घोषित

डॉ. प्रमोद अग्रवाल।

हल्द्वानी : व्यापारी नेता डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी ने जिला और कुमाऊं प्रशासन से लिखित में अनुरोध किया है कि वर्तमान में भारी बारिश के प्रकोप को देखते हुए जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा कक्षा 12 तक शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया जा रहा है, उसी प्रकार महाविद्यालयों में भी अवकाश घोषित किया जाना चाहिए। इसके अलावा नैनीताल, भवाली, भीमताल नकुचियाताल आदि पर्वतीय क्षेत्र के महाविद्यालयों में भी अवकाश होना चाहिए क्योंकि हल्द्वानी, लालकुआं व आसपास के क्षेत्र से काफी संख्या में विद्यार्थियों का आवागमन होता है।

संजीव आर्य के पास जिपं. अध्यक्ष बनाने का जिम्मा

- कांग्रेस ने ब्लॉक प्रमुख पद के लिए भी घोषित किए पर्यवेक्षक
- हल्द्वानी ब्लॉक के लिए नंदन दुर्गापाल को मिली जिम्मेदारी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिले में पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख पद को अपने पाले में करने के लिए संजीव आर्य के अलावा अन्य नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है।

कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने बताया कि यह निर्णय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने लिया है। कहा कि नैनीताल जिले में कांग्रेस का जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने की जिम्मेदारी नैनीताल से पूर्व विधायक संजीव आर्य को दी है। इसके अलावा ब्लॉक प्रमुख बनाने के लिए भी ब्लॉक स्तर पर पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। हल्द्वानी ब्लॉक के लिए नंदन दुर्गापाल, रामगढ़ के लिए निशांत पपनै, धारी के लिए उमेश कबडवाल, बेतालघाट के लिए भुवन तिवाड़ी, ओखलकांडा के लिए केदार पलड़िया, कोटाबाग के लिए संजय किरौला, भीमताल के लिए राजेंद्र सिंह बिष्ट रज्जी और रामनगर के लिए देवेंद्र चनौतिया को पर्यवेक्षक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत सदस्य सीटों पर कांग्रेस पृष्ठभूमि के कई प्रत्याशी जीतकर आए हैं।

इसके अलावा कई क्षेत्र पंचायत सदस्य भी ऐसे हैं जो कांग्रेस से ही जुड़े हैं। ऐसे में कांग्रेस भाजपा के सामने चुनौती खड़ी करने के मूड में है।

पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक के निधन पर शोक

बाजपुर : पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने कहा कि सतपाल मलिक किसानों, मजदूरों के सच्चे हित चिंतक थे। विपरीत परिस्थितियों में भी निडर व निष्पक्ष होकर बोलने वाले महान व्यक्तित्व के धनी सतपाल मलिक की आवाज आज हमेशा के लिए मौन हो गई। सतपाल मलिक का जाना उनके परिवार के साथ-साथ पूरे देश व समाज की क्षति है किसान मजदूर परिवार हमेशा सतपाल मलिक के ऋणी रहेंगे।

बच्चों को बताया आपदा के समय कैसे करें मदद

- आपदा प्रबंधन पर राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में कार्यशाला
- प्राकृतिक आपदाओं से जुड़े पिछले अनुभवों पर चर्चा की

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में "आपदा प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें बच्चों को आपदा के समय तत्काल निर्णय लेने की क्षमता, जीवन रक्षक कौशल तथा आपात स्थिति में बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जुड़े पिछले अनुभवों पर चर्चा की तथा उनसे मिले सबक साझा किए। छात्र-छात्राओं द्वारा मॉक ड्रिल एवं जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से आपदा से निपटने के व्यवहारिक तरीकों को प्रस्तुत किया गया। आपदा में फंसे लोगों को बाहर निकालने और प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई। विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति समन्वयक अनिल कुमार राठौर, नशा उन्मूलन समिति समन्वयक योगेन्द्र सिंह, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा विभाग की पूजा भट्ट ने बच्चों को विभिन्न जानकारियां दीं। प्रबंधन ने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को न केवल आपात स्थितियों से निपटना सिखाती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी जागृत करती हैं।

युवा नेता बंटी कोली की याद में लगाया गया रक्तदान शिविर

- युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान
- पूर्व विधायक ठुकराल का करीबी था मृतक बंटी

संवाददाता, रुद्रपुर

रक्तदान करते युवा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : एक वर्ष पहले सड़क हादसे में मारे गए युवा नेता स्वर्गीय बंटी कोली की याद में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की देखरेख में रक्तदान शिविर लगाया गया। ठुकराल के बेहद करीबी रहे बंटी के निधन के बाद पहले रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया।

पूर्व विधायक ठुकराल ने बताया कि वर्ष 2024 अगस्त माह में रंपुरा बस्ती के रहने वाले युवा नेता एवं मृदुभाषी बंटी कोली का निधन सड़क हादसे में हो गया था। बंटी इतना लोकप्रिय एवं मधुरभाषी था कि कोई भी दल का नेता हो। वह सभी का प्यारा था। यहीं कारण है कि निधन के एक साल बीत जाने के बाद भी युवा उसे भुला नहीं पा रहे हैं और युवाओं के आह्वान पर रक्तदान शिविर ब्लड बैंक में लगाया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस मौके पर महापौर विकास शर्मा, पूर्व मेयर रामपाल सिंह, ललित बिष्ट, राजवीर सिंह, सुखवंत सिंह, सुनील चुघ, फुदेना साहनी, गौरव कुशवाहा, अमर कोली, सतीश कोली, आकाश कोली मौजूद रहे।

शेष 14 राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन भेजने की मांग

खटीमा: उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी संगठन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन भेजे जाने की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश तिवारी ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी तुषार सैनी को सौंपते हुए कहा है कि कई बार मांग करने के बाद राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन भेजी गई है। जो मात्र 450 आंदोलनकारियों की है जबकि 14 लोगों की पेंशन नहीं भेजी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से पेंशन नहीं मिलने से यह परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। उन्होंने पेंशन शीघ्र भिजवाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में आलोक गोयल, पुष्कर दत्त, राशिद अंसारी आदि शामिल रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल हुई शुरू

- कौशल विकास कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ
- महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने की शुरुआत

संवाददाता, रुद्रपुर

प्रशिक्षण सेंटर उद्घाटन के दौरान अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से महिंद्रा एंड महिंद्रा व सेंटम फाउंडेशन ने कौशल विकास कार्यक्रम की पहल शुरू कर दी है और आदर्श कॉलोनी स्थित एक विद्यालय में प्रेरणा स्किल डेवलपमेंट सेटर का शुभारंभ किया।

जहां महिलाओं को रोजगार परक, प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रदान करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक पहचान प्राप्त हो सके। प्लांट हेड धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि कंपनी समय-समय पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करती है। जिसका बेहतर माध्यम कौशल विकास कार्यक्रम है।

यही कारण है कि प्रशिक्षण देकर महिलाओं को स्वरोजगार के प्रति सजग बनाया जा सके।

इसके लिए प्रशिक्षित महिलाओं को प्रेरणा स्किल डेवलपमेंट सेंटर खोला गया है। इस मौके पर ईआर हेड रमन कुमार, प्रशासनिक प्रबंधक अमिताला दत्ता, दीपांकर पाठक, नीरज पांडे, गोपिका, तस्लीम अहमद, वीरेंद्र कुमार, रोहित आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों के घर में घुसा अजगर और कोबरा सांप

जसपुर : ब्लॉक क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में ग्रामीणों के घर में अजगर और कोबरा सांप घुस गए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर दोनों सांप को पकड़ लिया और जंगल में छोड़ आए। पतरामपुर वन क्षेत्र के वन रेंजर महेश सिंह बिष्ट ने बताया कि मंगलवार को उन्हें सूचना मिली कि ग्राम पतरामपुर निवासी जापा सिंह के यहां अजगर तथा ग्राम मनोरथपुर निवासी सरदारा सिंह के घर में कोबरा सांप घुस आया है। विभागीय टीम ने दोनों घरों में पहुंच कर सांपों का रेस्क्यू किया। दोनों को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया। तब कहीं जाकर परिजनों ने राहत की सांस ली। रेंजर ने बताया कि लगातार हो रही बारिश से सांपों के बिलों में पानी घुस जाने से वे बाहर निकलते हैं।

पत्रकार लोहनी की माता के निधन पर जताया शोक

पत्रकार रमेश लोहनी की दिवंगत मां देवकी देवी को श्रद्धांजलि देते विधायक बेहड़।

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार : शांतिपुरी नंबर दो सत्यपुर निवासी पत्रकार रमेश लोहनी की माता देवकी देवी के निधन पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने पहुंच कर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद उन्होंने शांतिपुरी नंबर दो ढ़ांकानी निवासी भुपाल सिंह बिष्ट के घर पहुंच कर उनके भाई गणेश बिष्ट के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिशन सिंह कोरंगा, जसवंत सिंह कोरंगा, रमेश लोहनी, सतीश चंद्र लोहनी, हेमलता लोहनी, मोहन सिंह कोरंगा, भोपाल सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

आकलन | तार्किक क्षमता, विशेष रचनात्मक सोच का समग्र मूल्यांकन करना था उद्देश्य

शाहजी स्कूल में बहुविषयक एप्टीट्यूड टेस्ट

संवाददाता, खटीमा

खटीमा के शाहजी पब्लिक स्कूल में टेस्ट देते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शाहजी पब्लिक स्कूल में कक्षा चार से आठ तक के विद्यार्थियों का एक दिवसीय जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन हुआ। जिसमें तार्किक क्षमता, विषय ज्ञान, विशेष रचनात्मक सोच, सामान्य ज्ञान का समग्र मूल्यांकन करना था। परीक्षा में मेंटल एबिलिटी, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी व सामान्य ज्ञान 20-20 कुल 100 प्रश्न रखे थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले कक्षा चार से प्रथम - माहीन, द्वितीय-मोहम्मद मोहित, तृतीय-मोहम्मद आतिफ रजा, कक्षा पांच- से प्रथम फरहान हसन, द्वितीय इकरा, तृतीय - मोहम्मद अरसान, कक्षा छह - प्रथम रमिजा, द्वितीय- मोहम्मद अहमद रजा, कक्षा सात से प्रथम - जावेद हुसैन, द्वितीय - मोहम्मद जुनेद व माही नूर, तृतीय- आलिया बी, कक्षा आठ से प्रथम मोहम्मद अमान, द्वितीय- मैसर जहां, तृतीय- मोहम्मद अलामिन ने प्राप्त किया। विद्यालय संरक्षक काशिफ सिद्दीकी, आसिफ सिद्दीकी, मोहम्मद फैज अली सिद्दीकी तथा प्रधानाचार्य रविंदर मिश्रा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर आफरीन खान, हीना, फरजाना, सोफिया, गुल बाहर, अरीवा ज्योति, मोहम्मद साजिद का विशेष सहयोग रहा।

जसपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन पर केक काटते कार्यकर्ता।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन पर बांटी मिठाई

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह भट्ट के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी। उन्होंने केक काट कर अध्यक्ष की दीर्घायु की कामना की।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक डॉ. एमपी सिंह के कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर बलराम तोमर, राजकुमार चौहान, विशाल कश्यप, खूब सिंह, अशोक खन्ना आदि मौजूद रहे। उधर, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खड़क सिंह चौहान ने भी अपने कार्यालय पर जन्मदिन मनाया।

ब्रीफ न्यूज

ब्लॉक प्रमुख चुनाव के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

चम्पावत : क्षेत्र पंचायतों के प्रमुख, ज्येष्ठ उप प्रमुख और कनिष्ठ उप प्रमुख के निर्वाचन के लिए विकासखंड-वार सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। चम्पावत के लिए धनपत कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी को, लोहाघाट के लिए विम्मी जोशी, सहायक परियोजना निदेशक को पाटी के लिए, नंदन प्रसाद आगरी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी व बाराकोट के लिए दीप्त कीर्ति तिवारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को नियुक्त किया गया है।

मां-बेटे के साथ मारपीट में मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा : देघाट क्षेत्र में मां और बेटे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सियानगर स्याल्दे निवासी आनंद बल्लभ ने तहरीर सौंपी। कहा कि बीते रविवार को बेकरी का सामान लेने वह बाजार गया हुआ था। शाम को वह सामान लेकर पहुंचा तो एकाएक पंकज घुगत्याल और उसके पिता देवेंद्र घुगत्याल ने उन पर हमला कर दिया। हमले उसे और उनकी मां को चोट आ गई। एसओ ने बताया कि मामले में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

पौराणिक परंपरा के साथ देवीधुरा बग्वाल मेला शुरू

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मंगलवार को किया मेले का उद्घाटन, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक रंग में रंगा देवीधुरा

संवाददाता, टनकपुर/देवीधुरा

डीएम मनीष कुमार को सम्मानित करते मंदिर समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

देवीधुरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक मेले देवीधुरा बग्वाल मेले (आषाढ़ी मेला) का चम्पावत जनपद के ऐतिहासिक देवीधुरा धाम में शुभारंभ हो गया। 11 दिवसीय मेला 16 अगस्त तक श्रद्धा, संस्कृति और सुरक्षा के समन्वय के साथ संपन्न होगा। मंगलवार को मुख्य अतिथि

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मां बाराही देवी मंदिर परिसर के निकट मुख्य द्वार पर फीता काटकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया। ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक छोलिया नृत्य और कलश यात्रा के माध्यम से अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया गया। मुख्य बाजार से मंदिर मंडल तक निकाली गई शोभायात्रा में महिलाओं और छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर लोक आस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

डीएम ने मां बाराही देवी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना कर जनपदवासियों की समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की। संस्कृत महाविद्यालय देवीधुरा के विद्यार्थियों और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा वेद मंत्रों एवं स्वास्तिक वाचन किया।

डीएम ने कहा कि देवीधुरा बग्वाल मेला केवल एक पर्व नहीं, अपितु हमारी पौराणिक परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक समरसता का एक जीवंत उदाहरण है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा परिकल्पित "आदर्श चम्पावत" की अवधारणा को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। बग्वाली वीरों के लिए खेल मैदान का सुदृढ़ीकरण कराया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था एवं परिक्रमा मार्ग का निर्माण भी किया गया है। मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की गई है, ताकि निगरानी व्यवस्था प्रभावी रहे।

वर्षा ऋतु को देखते हुए जल निकासी को सुचारु बनाए रखने के लिए नालियों की सफाई, सुरक्षा दीवारों का निर्माण एवं पानी की निकासी की विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर समिति की ओर से डीएम को स्मृति चिन्ह और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर एसडीएम नीतीश डांगर, सीओ एस.एस. राणा, जिला पंचायत के एएमए कमलेश बिष्ट, लड़वाल फाउंडेशन के सीईओ नरेंद्र सिंह लड़वाल, मंदिर समिति अध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, रौशन सिंह लमगड़िया, हयात सिंह बिष्ट, खीम सिंह लमगड़िया, त्रिलोक सिंह बिष्ट (खाम प्रमुख), वीरेंद्र लमगड़िया, विशन सिंह चम्याल, दीपक चम्याल, ईश्वर सिंह, राजू बिष्ट सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी आदि मौजूद रहे।

मेले का मुख्य आकर्षण 9 अगस्त को होगा

टनकपुर : देवीधुरा में मेले का मुख्य आकर्षण रक्षाबंधन पर्व पर होगा। 9 अगस्त को आयोजित होने वाली ऐतिहासिक बग्वाल युद्ध की तैयारियों को लेकर भी जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। रक्षाबंधन पर्व पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के यहां पहुंचने की उम्मीद है। उनके यहां आगमन को लेकर भी प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

ग्यारह लाख रुपये भारतीय मुद्रा के साथ एक पकड़ा

बनबसा, अमृत विचार : भारत नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित चैकपोस्ट पर चैकिंग के दौरान 57 वाहिनी एसएसबी ने ग्यारह लाख रुपये भारतीय मुद्रा के साथ नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया। निरीक्षक लाल चंद ने बताया कि सीमा चौकी पर जांच दल के द्वारा भारत से नेपाल जा रहे हरी बहादुर पुत्र डाल बहादुर उम्र 49 वर्ष निवासी ग्राम बजांग, जिला कलाली धन्गरी, नेपाल की तलाशी ली। इस दौरान उसके पास से ग्यारह लाख रुपये की भारतीय मुद्रा बरामद की गई। पूछताछ में हरी बहादुर ने बताया कि वह दिल्ली के कप्सेरा बॉर्डर क्षेत्र में चिकन की दुकान चलाता है तथा उसके द्वारा उक्त राशि से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाया गया। नियमानुसार उक्त व्यक्ति को सीजर मेमो के साथ बनबसा कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। इस अभियान में निरीक्षक लाल चंद, सहायक उप निरीक्षक जयपाल, आरक्षी प्रियंका कुमारी, मुकेश कुमार, नेहा सहित अन्य जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवल कन्याल अध्यक्ष गंभीर बोरा बने सचिव

संवाददाता, पिथौरागढ़/बेरीनाग

नवल कन्याल।

गंभीर बोरा।

मुकेश धानिक।

अंशुल डांगी।

अमृत विचार : पिथौरागढ़ जिले में पहली बार खो-खो एसोसिएशन का गठन हो गया है। इससे खो-खो खिलाड़ियों को दूसरे जिलों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

एसोसिएशन में नवल कन्याल को अध्यक्ष, गंभीर बोरा को सचिव और अंशुल डांगी को कोषाध्यक्ष चुना गया है। जबकि उपाध्यक्ष मुकेश धानिक, संयुक्त सचिव राजेश कार्की को बनाया गया है। ललिता प्रसाद पंत अंजलि देऊपा, महिमा विश्वकर्मा, दीपक सिंह नेगी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। खो-खो एसोसिएशन के गठन पर उत्तरांचल क्षेत्र खो-खो एसोसिएशन के महासचिव रजत शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि इससे जिले के खिलाड़ियों को फायदा होगा।

एसोसिएशन के गठन से राष्ट्रीय स्तर तक के रास्ते खिलाड़ियों के लिए खुले हैं। वही एसोसिएशन गठन पर जिला खेल अधिकारी अनूप बिष्ट, खो खो कोच राजेंद्र नेगी सहित जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

तहसील स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित

पिथौरागढ़ : जनपद पिथौरागढ़ में आपदा प्रबंधन को सशक्त एवं सुचारू बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने तहसीलों की सुविधा के दृष्टिगत तहसील स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल का गठन किया गया है। यह दल आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव, पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्निर्माण, राहत राशि वितरण तथा अन्य आपदा प्रबंधन संबंधी कार्यों का पर्यवेक्षण एवं प्रभावी निगरानी करेगा। उल्लेखनीय है कि राहत एवं बचाव कार्यों में संलग्न सभी विभागीय टीमें पूर्व की भांति यथावत कार्य करती रहेंगी। जिला प्रशासन द्वारा यह निर्णय आपदा के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि जनहानि एवं संपत्ति की क्षति को न्यूनतम किया जा सके।

कैलाश मानसरोवर का चौथा दल हुआ रवाना

- यात्रियों को लायंस परिवार ने रुद्राक्ष की माला भेंट की

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर में कैलाश मानसरोवर यात्रियों का स्वागत करते लायंस क्लब के सदस्य।

पिथौरागढ़ पहुंचा श्रद्धालुओं का दल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : ओम नमः शिवाय उद्घोष के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रियों का चौथा दल मंगलवार को पिथौरागढ़ को रवाना हो गया है। मां पूर्णागिरि पर्यावरण संरक्षण समिति की अध्यक्ष दीपा देवी ने 48 सदस्यीय दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रात्रि में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर यात्री दल को उत्तराखंड की संस्कृति से रूबरू कराया। टनकपुर के पर्यटक आवास गृह में मिली बेहतर सुविधाओं से यात्री गदगद दिखे। मंगलवार को सुबह रवाना होने से पूर्व लायंस क्लब परिवार ने यात्रियों को रुद्रांश की माला भेंट कर उनको सफल एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर लायंस क्लब के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से देश के मानचित्र पर टनकपुर का नाम अंकित हुआ है। इस मौके पर लायंस क्लब के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल, सचिव गौरव अग्रवाल, रचित मल्होत्रा, दीपक जैन, राजीव आर्य आदि मौजूद थे।

यात्रियों का पिथौरागढ़ में किया गया स्वागत

पिथौरागढ़ : कैलास मानसरोवर यात्रा के अंतर्गत चौथा दल मंगलवार को पिथौरागढ़ पहुंचा। एडीएम योगेंद्र सिंह ने पर्यटक आवास गृह परिसर में यात्रियों का विधिवत स्वागत एवं अभिनंदन किया। यात्रियों का स्वागत कुमाऊं मंडल विकास निगम परिसर में पारंपरिक ढंग से किया गया। यात्रियों ने दोपहर का भोजन ग्रहण किया, जिसके पश्चात धारचूला शिविर के लिए प्रस्थान किया। पांच वर्ष के अंतराल के पश्चात पुन: प्रारंभ हुई कैलास मानसरोवर यात्रा में अब तक तीन दल यात्रा कर चुके हैं। मंगलवार को पिथौरागढ़ पहुंचे इस 48 सदस्यीय दल में 34 पुरुष एवं 14 महिलाएं शामिल हैं। इनमें दिल्ली 7, छत्तीसगढ़ 1, गुजरात 5, हरियाणा 2, झारखंड 4, कर्नाटक 3, केरल 3, मध्य प्रदेश 4, पंजाब 4, राजस्थान 4, तमिलनाडु 1, तेलंगाना 2, उत्तर प्रदेश 3 और पश्चिम बंगाल से 3 यात्री शामिल हैं। दल ने धारचूला के लिए प्रस्थान किया। बुधवार को अगले पड़ाव गुंजी की ओर यात्रा जारी रखी जाएगी। इस दल के लाइजनिंग ऑफिसर के रूप में तन्वी पटेल एवं विशाल कुमार नियुक्त हैं।

बैडमिंटन संघ की अलकनंदा अध्यक्ष व मनकोटी सचिव बने

- अल्मोड़ा में हुई राज्य बैडमिंटन संघ की चुनावी आम सभा
- सर्व सम्मति से संघ की कार्यकारिणी का हुआ गठन

संवाददाता, अल्मोड़ा

उत्तरांचल बैडमिंटन संघ की चुनावी आमसभा में मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में उत्तरांचल बैडमिंटन संघ की मंगलवार को चुनावी आम सभा हुई। इस दौरान डॉ. अलकनंदा अशोक को फिर से बैडमिंटन संघ का निर्विरोध अध्यक्ष और बीएस मनकोटी को सचिव चुना गया।

हेमवती नंदन बहुगुणा इंडोर स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के समापन के बाद संघ की नई कार्यकारिणी को बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अध्यक्ष और सचिव के अलावा राम अवतार को पुनः निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश के बैडमिंटन खिलाडिओं द्वारा ऐतिहासिक प्रदर्शन करने पर बधाई दी गई। आम सभा में तय किया गया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पूर्व चयनित खिलाड़ियों का ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा जिसमें श्रेष्ठ प्रशिक्षकों, ट्रेनर्स एवं फीजियो की मदद ली जाएगी जिससे खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन कर पाएं। यहां बैडमिंटन संघ के चीफ पैट्रन और पूर्व डीजीपी अशोक कुमार, डीके सेन आदि मौजूद रहे।

अभियान में 1100 वाहनों के चालान, 27 सीज किए

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर पिथौरागढ़ जनपद में परिवहन विभाग की ओर से विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एआरटीओ प्रवर्तन शिवांश कांडपाल के निर्देशन में यह अभियान जिलेभर में संचालित हो रहा है, जिसमें ओवरलोडिंग सहित अन्य नियम उल्लंघनों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

विगत माह से अब तक परिवहन विभाग की टीम ने विभिन्न धाराओं के तहत लगभग 1100 वाहनों के चालान किए गए हैं एवं 27 वाहन सीज किए गए हैं। हाल ही में जनपद में हुई सड़क दुर्घटना के पश्चात जांच अभियान को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। एआरटीओ कांडपाल ने जानकारी दी कि रक्षाबंधन के आसपास के दिनों में दो प्रवर्तन दल एक सामान्य प्रवर्तन टीम तथा दूसरा प्रवर्तन अधिकारी महेन्द्र सिंह नेगी के नेतृत्व में इंटरसेप्टर वाहन दल जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की फिटनेस, ओवरलोडिंग, परमिट एवं कागजातों की जांच कर रहे हैं। एआरटीओ ने कहा कि यदि कोई वाहन क्षमता से अधिक सवारी ढोते पाया गया, तो उसका परमिट व ड्राइविंग लाइसेंस तत्काल निरस्त किया जाएगा और नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षित यात्रा करें, ओवरलोडिंग से बचें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

कोसी-रानीखेत एनएच में पेड़ गिरने से घंटों बंद रहा यातायात

- पेड़ गिरने से हाइवे के दोनों ओर वाहनों का लगा रहा लंबा जाम
- फायर सर्विस टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद यातायात सुचारू कराया

संवाददाता, अल्मोड़ा

पेड़ को हटाकर यातायात सुचारू कराते फायर कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अल्मोड़ा-रानीखेत राष्ट्रीय राजमार्ग के जीबी पंत संस्थान कोसी के पास बीते सोमवार देर शाम एक विशालकाय पेड़ गिर गया। पेड़ गिरने से दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। लोग घंटों तक लोग जाम में फंसे रहे।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ को हटाकर यातायात सुचारू कराया। मिली जानकारी अनुसार सोमवार देर शाम कोसी के पास एक विशालकाय पेड़ भरभराकर सड़क के बीचों बीच गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुई। वहीं, पेड़ गिरने से आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। हाइवे के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लग गया। फायर सर्विस की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद सड़क पर गिरे पेड़ को वूडन कटर से काट कर हटाया। जिसके बाद यातायात शुरू हो सका। यहां एलएफएम ओम प्रकाश, एफएसडीवीआर विपिन बडोला, एमएफ रवि आर्या, डब्लूएफएम लीला बिष्ट, निकेता शामिल रहे।

उत्साह

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा, बाजारों में दिखने लगी रौनक

रक्षाबंधन से पूर्व रंग-बिरंगी राखियों से गुलजार हुआ बाजार

संवाददाता, अल्मोड़ा

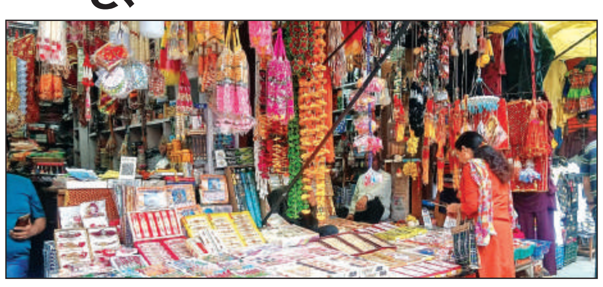
अल्मोड़ा की एक दुकान में सजी रंग-बिरंगी राखियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अल्मोड़ा में रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजार रंग बिरंगी राखियों से सजने लगा है। एक से बढ़कर एक राखी बाजार में उपलब्ध हैं। युवा और बच्चों को राखी लुभा रही हैं। महिलाओं के लिए भी आकर्षक राखी आई हैं। त्योहार पर महंगी राखियों की मांग भी है। इनमें चंदन, तुलसी, चांदी, मोतियों की राखी शामिल है।

रक्षाबंधन का त्योहार नौ अगस्त को मनाया जाएगा, तीन दिन शेष रह गए है। जिसके चलते राखियों का बाजार भी पूरी तरह से सज गया है। बहनें राखियां खरीदकर दूर रह रहे अपने भाईयों को पोस्ट भी कर रही है। बाजार में राखियों की बिक्री शुरू हो गई है। बाजार में दस रुपये से लेकर पांच सौ रुपये की कीमत में राखी उपलब्ध हैं। सस्ती राखियों के साथ महंगी राखियों की भी मांग अधिक है। चंदन, तुलसी, चांदी और मोतियों की राखी की मांग अधिक है। बाजार में विभिन्न आकृति में राखियां उपलब्ध है। बहनें भाई की पसंद को ध्यान में रखते हुए राखी खरीद रही हैं। वहीं, इन दिनों बाजार में चहल-पहल देखी जा रही है।

ऐपण वाली राखियों की अधिक डिमांड

व्यापारी भाष्कर साह ने बताया कि इन दिनों बाजार में बहनें अपने भाइयों के लिए राखियां खरीदने के लिए दुकानों में पहुंच रही है। उन्हें कुमाऊं की लोककला ऐंपण वाली राखियां पसंद आ रही हैं।

एसएसबी के जवानों को राखी बांधतीं ब्रह्माकुमारी विद्यालय की बहनें।

पोस्ट ऑफिस में भी भीड़

रक्षाबंधन की तिथि नजदीक आते ही डाकघरों में भीड़ बढ़ने लग गई है। स्पीड पोस्ट और अन्य कांउटरों में राखी भेजने वाली बहनों की लाइन देखी जा रही है। वहीं, पोस्ट ऑफिस ने भी विशेष तैयारियां की है। जिससे बहनें दूर दराज रहने वाले अपने भाईयों के लिए राखियां भेज रही है।

बहनों ने एसएसबी जवानों के हाथों में बांधी राखी

रानीखेत : अमित कुमार, महानिरीक्षक सीमांत रानीखेत के निर्देशन में सीमा बल मुख्यालय, रानीखेत में प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, रानीखेत के द्वारा रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ईश्वरीय विश्वविद्यालय से आई बहनों ने बल के जवानों की कलाइयों पर राखी बांधी। कार्यक्रम में ईश्वरीय विश्वविद्यालय से कंचन दीदी, विनीता दीदी, रमाशंकर भाई लीला माता और कुमारी निशा गोस्वामी वही सशस्त्र सीमा बल के तरफ से श्री अरविन्द कुमार (उप-कमांडेंट), श्री प्रभाकर (उप-कमांडेंट), निरीक्षक दर्शन सिंह बिष्ट एवं अन्य बल कार्मिक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का आह्वान किया

संवाददाता, टनकपुर

वाहन चालक को जागरूक करते अधिकारी।

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर जनपद चम्पावत में 1 अगस्त से यातायात जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना और दुर्घटनाओं की संख्या में प्रभावी कमी लाना है।

अभियान के तहत परिवहन विभाग की टीमों द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर यातायात चेकिंग व संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एआरटीओ टनकपुर मनोज बगोरिया ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल चालान करना नहीं है, बल्कि आमजन में नियमों के पालन की आदत विकसित करना और उन्हें सड़क पर सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा नागरिकों से संवाद स्थापित कर यातायात नियमों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया गया।

अमृत विचार

बुधवार, 6 अगस्त 2025

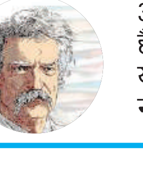

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नही है। - मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक, राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हें। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकारों और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं।

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

हिरोशिमा दिवस आज

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती हैं कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं।वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

> आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

आमने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंक चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

सामने

राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय
स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतीकात्मक राष्ट्रवत्ता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जनगणनात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तविहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शेष स्त्रियां मातृत्व के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती हैं? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

> किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल) में अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

प्रो. रिपुदमन सिंह
अर्थशास्त्री

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत कर रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अडिग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफिक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यकीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई ख़ूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान
ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामों, गुमसुम सुबहों और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये बिखरी जुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।
या फिर:
यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--
'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'
आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

महर्षि वाल्मीकि आश्रम

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव-कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र - शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूढू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

लेखक
अभिनेता
ललित तिवारी।

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभयता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग-अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2720, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2160, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन ली.13kg 1895, जय जवान 1915, सचिन 1950, सूरज 1915, अवसर 1835, उजाला 1900, गृहणी ली 13 kg 1775, क्लासिक (kg) 2035, मोर 2085, चक्र टिन 2035, ब्लू 2005, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2660

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 16000, जीरा 260000, लाल मिर्च 17000-19500, धनिया 9000-11000, अजवायान 15500-23000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 200-240, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4300, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10500

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, बरखेड़ा 4250, बहेड़ी नयी 4250

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5500, मसूरी- 4500, बासमती- 9100, परमल- 3700

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7500, मूंग साबुत- 9100, राजमा- 12200-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7300, उड़द साबुत- 8500, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11600, लोबिया/करमानी- 9400

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

- 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308.47 अंक की गिरावट के साथ 80,710.25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73.20 अंक की गिरावट के साथ 24,649.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0.27 और मिडकैप 0.14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत टूटकर 68.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

- नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

- खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों की तरक्की के लिए उन्हें लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने के लिए फोकस कर कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान दें, ताकि बेहतर नतीजे मिल सकें। सिंह ने निर्णय लिया कि फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

शिवराज सिंह ने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं। इनको अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण 10.25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों द्वारा अब 75% ऋण किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शीर्ष निर्यातक राज्य रहा गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

फियो निर्यातकों की सहायता के लिए अमेजन के साथ करेगा समझौता

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बरकरार

मानसून सत्र : एसआईआर व अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों ने किया हंगामा

- हंगामे के बीच लोस में पारित हुआ गोवा राज्य, अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष को जवाब देते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सदन की कार्यवाही स्थगन के बाद दो बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागज प्रस्तुत कराए। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए शोर-शराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। इस पर पिछले साल दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई थी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खाारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं? इस पर उपसभापति ने कहा, वे सीआईएसएफ के कर्मी नहीं थे, वे संसद सुरक्षा सेवा के कर्मी थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पूछा कि जब नेता प्रतिपक्ष भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हैं या गलत जानकारी वाले पत्र लिखते हैं तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन में केवल मार्शल ही आ सकते हैं और उस दिन केवल मार्शल ही मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने प्रधानमंत्री को किया सम्मानित

- मोदी बोले- विपक्ष को सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस करने के फैसले पर हो रहा होगा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी

राजग की संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। राजग की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई।

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। यह तो बस शुरुआत है। अभी लंबा रास्ता तय करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि प्र 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकी हमले और सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे।

बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार (प. बंगाल), एजेंसी

- टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए बताया नाटक

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए अदालत की पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत दायर की अपील की खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां कथित भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, सीपीसी की धारा 92 के तहत दायर किया गया वाद विशेष प्रकृति का प्रतिनिधि वाद होता है, क्योंकि यह सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से और जनहित में दायर किया जाता है। मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत से 'अनुमति' प्राप्त करना एक प्रक्रियात्मक और विधायी सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है।

प्रदूषण बोर्ड पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने सोमवार को दिए फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए एक निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व-निर्धारित उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

सीहोर, एजेंसी

- कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम
- क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राजील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राजील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक** : तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक** : तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक** : तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम**

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपींस सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपींस तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपींस दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपींस के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपींस ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपींस में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपींस में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

जज के आपराधिक मामले सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम**
- **सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे**

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

समझना मुश्किल, यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमे आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52.34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47.75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला**

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जबाव में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

- **1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई**

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

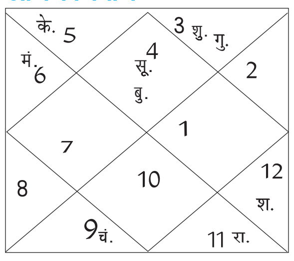

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल और ताराबल
ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष - आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष - आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन - आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क - आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह - आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमियत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या - आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला - आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक - आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु - आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर - आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ - आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन - आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू -61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। - सुनील गावस्कर

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई किशोरी मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के करेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोवा की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की जरूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

बड़े मौकों पर छूटे कैच

लंदन : यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज्यादा है - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिनमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यू की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीम मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

नई दिल्ली : भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

- **ओवल भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।
- **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
- **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्कल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।
- **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।
- **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फिलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू श्रृंखला में पहली हार थी।
- **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूजीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
- **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

पूरी सीरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। एजेंसी

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लगाम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

- **कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई**

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा इसके यह मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185.3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग है। उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले। इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है।

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

लंदन : भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा शरीर का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकामनायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह यहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलने का फैसला किया था। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आए।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा कि बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की जरूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट

इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है। इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवत: ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे। इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा लेकिन इन दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

घरेलू मैच खेलना जरूरी है

बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।